सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 301 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 13 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पत्नी, दो बच्चों और अपनी मां को मारकर की आत्महत्या

भागलपुर (एजेंसी)। परिवार के अंदर विवादों का दबाव इस हद तक बढ़ गया है कि पूरा का पूरा घर तबाह हो जा रहा है। इस बार ऐसी तबाही बिहार के भागलपुर से सामने आई, वह भी पुलिस लाइन के अंदर से। एक महिला सिपाही का पूरा परिवार इस घर में रहता था और अब कोई नहीं बचा। बिहार के भागलपुर में मंगलवार को हड़कंप मच गया, जब बीच शहर पुलिस लाइन के अंदर एक सिपाही का पूरा परिवार मरा हुआ पाया गया। महिला सिपाही पत्नी, अपने दो बच्चों और अपनी मां को मारने वाले उसके शख्स ने खुद भी आत्महत्या कर ली।

मृतकों में महिला सिपाही नीतू कुमारी, उसके दो बच्चे, उसकी सास और पति शामिल हैं। घटना पुलिस लाइन के क्वार्टर नंबर सीबी 38 की है। महिला सिपाही नीतू कुमारी के दो बच्चे और उनकी सास की गला काटकर हत्या की गई है, जबकि नीतू कुमारी की ईंट से कूच-कूच कर हत्या की गई है। बताया जा रहा है कि इस घटना को उसके पति ने ही अंजाम दिया है। इसके बाद उसने खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यहां से सुसाइड नोट भी बरामद किया है, लेकिन उसमें लिखी गई बातों को औपचारिक तौर पर सामने नहीं ला रही है। बताया जा रहा है कि सुसाइड नोट में पति ने सिपाही पत्नी के अवैध संबंधों की बात की है। अवैध संबंध किससे है, यह अभी छिपाया जा रहा है।

मूल रूप से बक्सर की रहने वाली नीतू कुमारी 2015 बैच की बिहार पुलिस कांस्टेबल थीं। दोनों ने लव मैरिज की थी, लेकिन अब कुछ समय से पति को अपनी पत्नी पर शक हो रहा था। किसी से अवैध संबंध की बात पर पति लगातार झंझट कर रहा था। भागलपुर एसएसपी ने स्वीकार किया कि सुसाइड नोट में किसी से अवैध संबंध का जिक्र है। उन्होंने कहा कि अब यह जानकारी सामने आ रही है कि पिछले कई दिनों से दोनों के बीच झंझट चल रहा था। कल शाम में भी झगड़ा हुआ था। घर से बाहर सड़क पर भी झंझट हुआ था, लेकिन इस तरह की घटना की आशंका समझ में नहीं आई थी क्योंकि किसी पक्ष ने किसी अधिकारी या थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई थी।

कुछ माह में ही उखड़ी सड़कें, उद्योग मंत्री ने जल्द मरम्मत करने व ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई करने कमिश्नर को लिखा पत्र

रायपुर। शहर की आधा दर्जन सड़कों के डामरीकरण के कुछ महीने में ही उखड़ जाने से आम लोगों को हो रही परेशानी को वाणिज्य, उद्योग और श्रममंत्री लखन लाल देवांगन ने गंभीरता से लेते हुए कोरबा निगम आयुक्त को सड़क की जल्द मरम्मत करने और ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई करने पत्र लिखा है। श्री देवांगन ने आयुक्त को लिखे पत्र में उल्लेख किया है की कोरबा नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत कोसाबाड़ी, सीएसईबी चौक से बुधवारी, वीआईपी मार्ग, निहारिका मार्ग पर 8 महीने पहले ही डामरीकरण निगम द्वारा कराया गया था। गुणवत्ताहीन एवम् भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाने के कारण उक्त मार्ग डामरीकृत गिट्टी उखड़ गई है, इससे धूल उड़ने के कारण आम जनता को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री श्री देवांगन ने सड़क मरम्मत की नितांत आवश्यकता को देखते हुए जल्द सड़क मरम्मत प्रारंभ करने कहा है।

तिरंगे पर यह गलती पड़ सकती है भारी

हर किसी को नहीं है वाहनों में राष्ट्रीय ध्वज लगाने का अधिकार

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। यदि राष्ट्र-प्रेम या राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत होकर आप भी अपने वाहन में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाते हैं तो यह खबर आपके लिए है। भारतीय ध्वज संहिता में इस बात का उल्लेख है कि वाहनों में राष्ट्रीय ध्वज लगाने के पात्र कौन-कौन लोग हैं। खास बात यह है कि भले ही लोग अपने दुपहिया या कार में शान से तिरंगा लगाकर गौरवान्वित होते हों, लेकिन उन्हें अपने वाहन में तिरंगा झंडा लगाने का कानूनन अधिकार नहीं है। यदि आप भी ऐसा करते हैं तो आप पर राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का केस दर्ज कर गिरफ्तारी भी हो सकती है।

स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व परसों मनाया जाना है, लेकिन इससे पहले ही लोगों में स्वतंत्रता दिवस का उत्साह और उल्लास नजर आने लगा है। इसी उत्साह के बीच दुपहिया से लेकर चार पहिया वाहनों में लोग तिरंगा झंडा लगाकर भी घूम रहे हैं, लेकिन वाहनों में राष्ट्रीय ध्वज लगाने का विशेषाधिकार महज कुछ लोगों तक ही सीमित है। राष्ट्रीय ध्वज को लेकर ध्वज संहिता में काफी सारी पाबंदिया थी, जिन्हें जन सुविधाओं के हिसाब से बदला गया है, लेकिन कुछ नियम-कायदे अब भी अपनी जगह कायम है और उसका उल्लंघन करने पर अर्थदंड के साथ ही जेल भी हो सकती है।

इन बातों का रखना होगा ध्यान

नियमों के अनुसार, कोई भी सार्वजनिक या निजी संस्था या शैक्षिक संस्थान का सदस्य किसी भी दिन और किसी भी मौके पर राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकता है। लेकिन जरूरी बात यह है कि जब भी राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित किया जाए, तो उसे पूरा सम्मान दिया जाना चाहिए। ध्वज को उचित स्थान पर रखा जाना चाहिए। यानी कि ध्वज को जमीन पर या गंदी जगह पर नहीं रखा जाएगा। इसके अलावा फटा या मैला-कुचैला ध्वज प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए।

दरअसल, स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस पर अक्सर लोग अपनी बाइक या कार पर तिरंगा लगा लेते हैं। लेकिन हर किसी को ऐसा करने की इजाजत नहीं है। भारतीय ध्वज संहिता, 2002 के अनुसार केवल कुछ लोगों को अपने मोटर वाहन पर तिरंगा फहराने का कानूनी अधिकार है। जो लोग अपने वाहन पर राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित कर सकते हैं, उनमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल और उपराज्यपाल, भारतीय मिशन पदों के प्रमुख, प्रधानमंत्री, केबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री और संघ के उपमंत्री शामिल हैं।

नियम तोड़ने पर कितनी सजा

नागरिकों को घर पर तिरंगा फहराने या हाथ में झंडा लेकर चलने की आजादी है। लेकिन प्राइवेट गाड़ियों पर झंडा लगाना कानूनन अपराध है। अगर कोई इसका दोषी पाया जाता है तो उसे पर राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इसके अनुसार भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान करने पर व्यक्ति को 3 साल तक की जेल या जुर्माना या फिर दोनों सजाएं हो सकती हैं।

भारतीय ध्वज संहिता 2002 के पैराग्राफ 3.44 के मुताबिक, राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा के उपाध्यक्ष, लोकसभा के उपाध्यक्ष, राज्यों में विधान परिषदों के अध्यक्ष, राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेश में विधानसभा के अध्यक्ष, राज्यों में विधान परिषद के उपाध्यक्ष, राज्यों में विधानसभा के उपाध्यक्ष और भारत के मुख्य न्यायधीश, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश शामिल हैं। नेशनल फ्लैग कोड कहता है कि तिरंगे को कहीं भी लगाते वक्त उसकी केसरिया पट्टी सबसे ऊपर होनी चाहिए. इसके अलावा फटा या मैला-कुचैला ध्वज प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए।

समय की पाबंदी हुई खत्म

गौरतलब है कि पूर्व में सूर्योदय से सूर्यास्त तक ही राष्ट्रीय ध्वज को फहराने की अनुमति थी, लेकिन 2022 में सरकार ने इस नियम में संशोधन कर दिया था। नए नियमों के मुताबिक, अब झंडा फहराने के लिए समय की पाबंदी नहीं है। संशोधित फ्लैग कोड के अनुसार, पॉलिस्टर कपड़े से बने झंडे को फहराने पर पाबंदी हट गई है। राष्ट्रीय ध्वज को सूती, पॉलीस्टर, वूलन,रेशम, खादी बन्टिंग से बनाया जा सकता है। हाथ से बुने हुए या मशीन से बने राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

भिलाई आ रही है अभिनेत्री भाग्यश्री तिरंगा रैली में होंगी शामिल

विधायक रिकेश सेन ने दिया है निमंत्रण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत 14 अगस्त को विधायक रिकेश सेन द्वारा आयोजित तिरंगा रैली में भाग लेने मशहूर सिने अभिनेत्री भाग्यश्री भिलाई पहुंच रही हैं। युवा विधायक रिकेश सेन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरा देश आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 9 से 15 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मना रहा है, जिसमें 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत सभी भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव सायके निर्देश पर भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के माध्यम से पूरे छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान राज्य से लेकर जिला स्तर पर तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां, तिरंगा दौड़ और मैराथन जैसे अनेक देश-भक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में 14 अगस्त को तिरंगा रैली का आयोजन होगा जिसमें हजारों लोग तिरंगा लहराते दुपहिया वाहन से सम्पूर्ण नगर का भ्रमण करेंगे। इस रैली में वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में 15 अगस्त को हर घर तिरंगा लहराने का संदेश देते हुए हर दिल में देश भक्ति की भावना को और भी मजबूत किया जाएगा।

भाग्यश्री करेंगी लोगों को प्रेरित

वैशाली नगर तिरंगा रैली में भाग लेने सिने अभिनेत्री भाग्यश्री पटवर्धन भी भिलाई आ रही हैं। मैने प्यार किया से फिल्मों में डेब्यू करने वालीं भाग्यश्री ने हिंदी, कन्नड़, मराठी, तेलुगु और भोजपुरी फिल्मों में अपनी अदाकारी से सभी लोगों का दिल जीता है। वो मीडिया कंपनी श्रृष्टि एंटरटेनमेंट की प्रमोटर भी हैं। भाग्यश्री तिरंगा रैली में शामिल होंगी और लोगों को अपने घरों में तिरंगा लगाने प्रेरित करेंगी। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने भाग्यश्री को इस रैली में शामिल होने का निमंत्रण दिया है और उनके निमंत्रण पर वे भिलाई आ रही हैं।

हो चुका है तिरंगा यात्रा का आगाज

12 अगस्त को ही तिरंगा यात्रा का आगाज वैशाली नगर विधानसभा में हो चुका है। भाजपा के वरिष्ठ नेता शंकरलाल देवांगन, प्रवीण पाण्डेय, अरविंद जैन, जिला उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम देवांगन सहित विधायक रिकेश सेन के नेतृत्व में सैकड़ों विधायक प्रतिनिधियों ने सुपेला और वैशाली नगर क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाली जिसमें सैकड़ों लोगों ने हाथ में तिरंगा लहराते पैदल मार्च किया। इसी तारतम्य में 14 अगस्त को तिरंगा रैली का सुबह साढ़े 10 बजे वैशाली नगर से आगाज होगा जिसमें हजारों लोग दुपहिया वाहन से नगर भ्रमण कर हर घर तिरंगा का आह्वान विधानसभा के नागरिकों से करेंगे। इस रैली में अभिनेत्री भाग्यश्री पटवर्धन भी शिरकत करने भिलाई आ रही हैं।

कृषि कॉलेजों के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रक्रिया प्रारंभ

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 39 शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के बीएससी कृषि (ऑनर्स) स्नातक पाठ्यक्रम में नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश हेतु ऑनलाईन काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी काऊंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने हेतु 9 अगस्त से 15 अगस्त तक विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.igkv.ac.in पर आवेदन कर सकते हैं। काऊंसलिंग में शामिल होने के लिए दिशा-निर्देश एवं समय सारिणी विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को ऑनलाईन काउंसलिंग में भाग लेने हेतु 9 अगस्त से 15 अगस्त के मध्य ऑनलाइन पंजीयन करना एवं दस्तावेज अपलोड करना होगा। 16 अगस्त को ऐसे अभ्यर्थी पुन: आवेदन कर सकते हैं जिनकी ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया के दौरान असफल लेनदेन हुई हो। 17 अगस्त को पीएटी-2024 की प्रावीण्य सूची के आधार पर अभ्यर्थियों को प्रोविजनल सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन किया जायेगा। अभ्यर्थियों को 20 से 23 अगस्त के मध्य दस्तावेज परीक्षण हेतु कृषि महाविद्यालय, रायपुर में प्रात: 9 से सायं 5:30 बजे तक उपस्थित होना होगा।

चाकू से गोदकर युवक की हत्या बोरसी भाटा में देर रात वारदात

पुलिस हिरासत में आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र में बीती रात युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। आपसी विवाद के बाद युवक पर चाकू व डंडे से वार किया गया। युवक की पीठ व शरीर पर कई वार कर युवक फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों गिरफ्तार कर लिया है। जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक युवक का नाम शुभम बन्दे (20) निवासी बोरसी भाठा वार्ड 50 पदमानाभपुर के रूप में हुई है। शुभम बंदे टाइल्स लगाने का काम करता था। सोमवार की रात करीब 11 से 12 के बीच शुभम बंदे का कुछ युवकों से पुरानी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि युवकों ने उस पर चाकू व डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। युवक पेट व पीठ पर चाकू मारकर सभी फरार हो गए।

गंभीर रूप से घायल युवक को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया। परिजन उसे जिला अस्पताल से निजी अस्पताल ले जा रहे थे इस दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पद्मनाभपुर पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस फिलहाल आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस जल्द इस मामले का खुलासा करेगी।

बढ़ रही है अंगदान को लेकर जागरूकता

श्रीकंचनपथ

आज विश्व अंगदान दिवस है। मृत्यु को प्राप्त हो रहा एक मनुष्य चाहे तो जाते-जाते अनेक लोगों को नई जिन्दगी दे सकता है। पिछले कुछ वर्षों में मरणोपरांत या ब्रेन डेड होने की स्थिति में शरीर और अंगदान के मामलों में तेजी आई है। कुछ अंगों का दान जीते-जी किया जा सकता है। इनमें दो गुर्दों में से एक गुर्दा, जिगर के दो भागों में से एक तथा फेफड़ा या फेफड़े का हिस्सा, अग्न्याशय का हिस्सा या आंत का हिस्सा अपने जीते-जी दान किया जा सकता है। त्वचा दान भी एक ऐसी ही सेवा है। हृदय, यकृत, गुर्दे, आंत, फेफड़े और अग्न्याशय जैसे महत्वपूर्ण अंगों का दान केवल 'मस्तिष्क मृत्यु' की स्थिति में ही किया जा सकता है। हालांकि अन्य ऊतक जैसे कॉर्निया, हृदय वाल्व, त्वचा, हड्डियाँ आदि का दान केवल प्राकृतिक मृत्यु की स्थिति में ही किया जा सकता है। अंग प्राप्तकर्ताओं के लिए, प्रत्यारोपण का मतलब अक्सर जीवन का दूसरा मौका होता है। हृदय, अग्न्याशय, यकृत, गुर्दे और फेफड़े जैसे महत्वपूर्ण अंगों को उन लोगों में प्रत्यारोपित किया जा सकता है जिनके अंग काम करना बंद कर रहे हैं। एक समय था जब लोग मानते थे कि यदि अपूर्ण शरीर का अंतिम संस्कार किया गया तो अगला जीवन मुश्किल में पड़ सकता है। पर समय के साथ इस तरह की धारणाएं कमजोर हुई हैं। अब जब लोगों को लगता है कि एक जीवन जिसे वो शर्तिया खोने जा रहे हैं, किसी और शरीर में आंशिक रूप से जीवित रह सकता है तो वो इस मौके को गंवाना नहीं चाहते। यह केवल अपने करीबी को आंशिक रूप से जीवित रखने का मामला नहीं है बल्कि जिसका जीवन बच रहा है उसकी और उसके परिवार की खुशी से खुश होने का भी है। यह देने की खुशी है जो छीनने या हासिल करने से कई गुना अधिक होती है। इस अंगदान दिवस पर एक ऐसी ही महामानव की खबर साझा कर रहे हैं। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की मुन्नी गोसाई को डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन ने अंगदान का फैसला किया। उनकी एक किडनी एम्स, एक किडनी और लिवर रामकृष्ण अस्पताल के मरीज को दिया गया। आंखें आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय को सौंपी गई हैं। फेफड़े पुणे की 45 वर्षीय महिला को भेजे गए। पति की तबियत को लेकर परेशान मुन्नी डिप्रेशन में थी। एक दिन उनकी तबियत बिगड़ गई पर गंडई में वेंटीलेटर की सुविधा नहीं थी। जब तक उन्हें रायपुर पहुंचाया गया वे हिम्मत हार चुकी थीं। मुन्नी कहा करती थी कि मरने के बाद मेरे अंग दान कर देना, ताकि और लोगों की जिंदगी बेहतर हो सके। उनकी इच्छा का सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ में अंगदान का यह 9वां मामला है। इससे पहले भी एक 13 वर्षीय किशोर तथा 44 वर्षीय एक महिला इन्हीं परिस्थितियों में अंगदान कर चुकी हैं। ऐसे मामले चिकित्सा सुविधा एवं विशेषज्ञता के विस्तार के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

संपादकीय

राजमार्ग पार्किंग नहीं

दिल्ली की शंभू सीमा पर किसानों के निरंतर धरना-प्रदर्शन से लगे जाम को हटाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता स्वागत योग्य है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने उचित ही टिप्पणी की है कि राजमार्ग ट्रैक्टर, ट्रॉली आदि के लिए पार्किंग की जगह नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने हरियाणा व पंजाब पुलिस, दोनों के प्रमुखों को शंभू सीमा को आंशिक रूप से फिर से खोलने की कोशिश के निर्देश दिए हैं। इस सीमा पर आंदोलित किसान 13 फरवरी से ही डेरा डाले हुए हैं।

सीमा के बंद होने से लोगों को बहुत परेशानी हो रही है और सीमा खुलवाने की राज्य सरकारों को कोई जल्दी नहीं है। पहले भी जब किसान आंदोलन हुआ था, तब किसान महीनों तक सीमा पर बैठे रहे थे और लोगों को बहुत परेशानी हुई थी। अब फिर किसानों को सीमा पर बैठे छह महीने होने को आए, पर स्थानीय प्रशासन किसानों को समझाने में नाकाम है। यहां यह ध्यान रखना चाहिए कि अमरिंदर सिंह सरकार के समय से ही पंजाब में चल रहे आंदोलन को दिल्ली भेजा गया था। क्या अब इसमें पंजाब सरकार की कोई भूमिका नहीं है? आज अगर सर्वोच्च न्यायालय में यह बात उठी है कि पंजाब सरकार को आगे आकर किसानों को मनाना चाहिए, तो स्वाभाविक है। क्या इस तथ्य को भुलाया जा सकता है कि किसान आंदोलन में किस राज्य की भागीदारी ज्यादा है और किन राज्यों के किसान प्रतिनिधि इस आंदोलन में शामिल नहीं हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि आज के किसान आंदोलनकारी विवश या कमजोर नहीं हैं, मजबूत हैं, तभी तो सरकार उन्हें सीमा या राजमार्ग पर बैठकर अपनी बात रखने का मौका दे रही है। एक समय था, जब किसानों के विरुद्ध बल प्रयोग होता था। आज बल की नहीं, संवाद की जरूरत है। शासन को बहुत ईमानदारी के साथ संवाद करना चाहिए। इलाज टालने से बीमारी में इजाफा होता है। यह समझने में जिसे दिक्कत हो रही है, उसे युद्ध स्तर पर समझाने की जरूरत है। राष्ट्रीय राजधानी की ओर आ रही किसी भी सड़क पर जाम लगाना अक्षम्य होना चाहिए। हालांकि, उदासीनता इस स्तर की है कि राजमार्ग पर लगे जाम की ओर से भी शासन-प्रशासन आंखें मूंदे रहता है। क्या यह उम्मीद की जा रही है कि एक दिन आएगा, जब किसान थक-हारकर अपने घर लौट जाएंगे? यहां यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि किसान वर्ग अब संपन्न है और उसे अनेक स्रोतों से धन व संसाधन मिलने की गुंजाइश है। ऐसे में, इस आंदोलन को हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर उनकी मांगें पूरी करना संभव नहीं, तो उन्हें समझाने के हरसंभव उपाय होने चाहिए।

लोगों को हो रही तकलीफ पर गौर करना चाहिए। धरना पर बैठे किसान तो अपनी मर्जी से आ-जा रहे हैं, पर स्थानीय लोगों और अन्य नागरिकों को जो परेशानी हो रही है, उसकी भरपायी कौन करेगा? वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, चिकित्सा के लिए जाने वाले लोगों के वाहन के लिए जल्दी ही शंभू सीमा को आंशिक रूप से खोलने के निर्देश दिए गए हैं। क्या लोगों को राजमार्ग पर कम से कम एक लेन उपलब्ध हो सकेगा? इस बारे में सरकारों के साथ ही किसानों को भी सोचना पड़ेगा। क्या एक सप्ताह में जाम खुलने की अच्छी खबर आ सकती है? अगर अधिकारी ईमानदारी से समझाइश करेंगे, तो उसका असर जरूर होगा। यह बात भी गौर करने की है कि किसानों का कहना है, जाम उन्होंने नहीं लगाया, सरकार ने लगाया है। बेशक, अब समय आ गया है और समाधान के लिए मिलकर काम करना होगा।

नजरिया

क्या पहली बार एक महिला को राष्ट्रपति बनाएगा अमेरिका

यह बात हैरान करती है कि दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र, अग्रणी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के गढ़, जिसने दुनिया भर में अरबों लोगों को लाभ पहुंचाया है, उस अमेरिका में कभी कोई महिला राष्ट्रपति क्यों नहीं बनी? महिलाओं को नेतृत्व सौंपने में दक्षिण एशिया दुनिया में सबसे आगे रहा है।

सुरेंद्र कुमार, पूर्व राजदूत

श्रीलंका में सिरिमावो भंडारनायके (1960) विश्व की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। कुछ ही दशक बाद इंदिरा गांधी, बेनजीर भुट्टो (पाकिस्तान), खालिदा जिया और शेख हसीना वाजेद (बांग्लादेश) जैसी नेताओं को सत्ता संभालने का मौका एकाधिक बार मिला। भंडारनायके की बेटी भी राष्ट्रपति बनीं। यहां तक कि अमेरिका के कई करीबी सहयोगी देशों, जैसे ब्रिटेन में मार्गरेट थैचर, टेरेसा मे और लिज ट्रस, जर्मनी में एंजेला मर्केल, इटली में जॉर्जिया मेलोनी के हाथों में सरकार की बागडोर रही है।

वैसे, अमेरिका में अभी 13 महिलाएं गवर्नर के रूप में कार्यरत हैं। नवंबर 2020 में कमला हैरिस ने पहली अमेरिकी उप-राष्ट्रपति बनकर इतिहास रच दिया था। क्या वह अमेरिका के इतिहास में एक और मील का पत्थर गाड़ने के लिए तैयार हैं? क्या वह देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनने के लिए तैयार हैं, लेकिन उससे पहले यह सवाल है कि क्या अमेरिका एक महिला राष्ट्रपति के लिए तैयार है? क्या कमला हैरिस वह सर्वोच्च मुकाम हासिल कर सकती हैं, जो हिलेरी क्लिंटन नहीं कर सकी थीं? साल 2016 के

राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति पद की पहली ताकतवर महिला उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन को डोनाल्ड ट्रंप ने हरा दिया था।

उसके बाद ट्रंप को बाइडन ने साल 2020 के चुनाव में हराया था और बाइडन 2024 में एक बार फिर मुकाबले को तैयार थे। हालांकि, स्थितियां उनके अनुकूल नहीं थीं। 27 जून को ट्रंप के मुकाबले निराशाजनक टीवी बहस, 11 जुलाई को नाटो शिखर सम्मेलन में उनकी गलती, प्रमुख डेमोक्रेट नेताओं द्वारा उनके कमजोर स्वास्थ्य और जीतने की निराशाजनक संभावनाओं के चलते बाइडेन पर राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने का दबाव बढ़ा। बाद में बाइडन पीछे हटने और अगली पीढ़ी को मशाल सौंपने के लिए राजी हो गए। उन्होंने तत्काल अपनी उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम आगे कर दिया। उनकी पार्टी के लिए भी यह अच्छा निर्णय था। संकटग्रस्त व निराश डेमोक्रेटिक पार्टी तत्काल कमला हैरिस के पीछे एकजुट हो गई। यह तथ्य कि कमला ने चुनाव अभियान निधि में सिर्फ एक सप्ताह में 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटा लिए। साथ ही, 3,60,000 से अधिक स्वयंसेवकों ने उनके चुनाव में सेवा देने के लिए पंजीकरण करा लिया, इससे पता चलता है कि अमेरिकी जनता के बीच कमला हैरिस की एक अपील है। ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप से मुकाबले के लिए वह बिल्कुल तैयार हैं और उनके जीतने की उम्मीद है।

अब ट्रंप की टीम हैरान है कि बाइडन के खिलाफ हमले के लिए उनके मुख्य मुद्दे गायब हो गए हैं- बड़ी उम्र, लचर स्वास्थ्य व कमजोर होती याददाश्त अब मुद्दे नहीं हैं। ट्रंप से तुलना करें, तो हैरिस लगभग 19 साल छोटी हैं, शारीरिक और मानसिक रूप से ज्यादा फिट हैं। इससे घबराए ट्रंप अभद्र भाषा का सहारा लेने लगे हैं। कमला के नाम, उनके रंग, उनकी जातीयता और भारतीय मूल पर सवाल उठा रहे हैं। ट्रंप यह साबित करने में लगे हैं कि कमला बढ़ती चुनौतियों का मुकाबला करने में असमर्थ होंगी। वैसे ट्रंप की इन कोशिशों का विशेषज्ञ भी मजाक उड़ा रहे हैं। कमला हैरिस सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल, गर्भपात अधिकार और यूनियनों के पक्ष में खड़ी रही हैं, इससे वह लाखों युवा अमेरिकियों की प्रिय नेता बन गई हैं।

कमला ने खुद पर हो रहे हमलों का जवाब एक पंक्ति में दिया है कि वह देश को पीछे ले जाना चाहते हैं, जबकि हम इसे आगे ले जाना चाहते हैं। देश बेहतर का हकदार है। वाकई, जमीन खिसक रही है और ट्रंप इसे महसूस कर रहे हैं। आश्चर्य की बात नहीं कि ट्रंप उनके साथ खुली बहस करने से डर रहे हैं। अफसोस की बात है कि आज अमेरिका एक बेहद बंटा हुआ समाज है। अति-दक्षिणपंथी और श्रेष्ठतावादी लोग एक महिला को राष्ट्रपति के रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। ऐसे लोग क्या अंततः कमला के पक्ष में आ खड़े होंगे? क्या अमेरिका इसके लिए तैयार है? हमें इंतजार करना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जीएम फसलों की मंजूरी को बने राष्ट्रीय नीति

पंकज चतुर्वेदी

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने जेनेटेकली मोडिफाइड यानी जीएम सरसों की भारत में व्यावसायिक खेती करने की सरकारी मंजूरी के खिलाफ याचिका पर खंडित फैसला दिया। जहां न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना का आकलन था कि जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति यानी जीईएसी की 18 और 25 अक्तूबर, 2022 को सम्पन्न जिस बैठक में इसकी मंजूरी दी गई, वह दोषपूर्ण थी क्योंकि उसमें स्वास्थ्य विभाग का कोई सदस्य नहीं था और कुल आठ सदस्य अनुपस्थित थे। दूसरी ओर, न्यायमूर्ति संजय करोल का मानना था कि जीईएसी के फैसले में कुछ गलत नहीं है। उन्होंने जीएम सरसों फसल को सख्त सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए पर्यावरण में छोड़ने की बात जरूर की। हालांकि, दोनों न्यायाधीश इस बात पर एकमत थे कि केंद्र सरकार को जीएम फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार करनी चाहिए। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष जाएगा।

वैसे जीईएसी आनुवंशिक रूप से संवर्धित फसलों के लिए देश की नियामक संस्था है। लेकिन दो जजों की पीठ ने निर्देश दिया कि चार माह के भीतर केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय जीएम फसल के सभी पक्षों के परामर्श से जीएम फसलों पर राष्ट्रीय नीति तैयार करे जिनमें कृषि विशेषज्ञों, जैव प्रौद्योगिकीविदों, राज्य सरकारों और किसान प्रतिनिधियों सहित हितधारक शामिल हों। किसी से छुपा नहीं कि भारत में खाद्य तेल की जबरदस्त मांग है। साल 2021-22 में 116.5 लाख टन खाद्य तेलों का उत्पादन करने के बावजूद भारत को 141.93 लाख टन का आयात करना पड़ा। अनुमान है, अगले साल 2025 -26 में यह मांग 34 मिलियन टन तक पहुंच जाएगी। हमारे खाद्य तेल के बाजार में सरसों तेल की भागीदारी 40 फीसदी है। दावा किया गया कि यदि सरसों उत्पादन में जीएम बीज का इस्तेमाल करेंगे तो फसल 27 प्रतिशत अधिक होगी, जिससे तेल आयात खर्च कम होगा। हालांकि यह सोचने की बात है कि 1995 तक देश में खाद्य तेल की कमी नहीं थी। फिर बड़ी कंपनियां इस बाजार में आई। आयात कर कम किया गया और तेल का स्थानीय बाजार बैठ गया।

दावा यह भी है कि इस तरह के बीज से पारंपरिक किस्मों की तुलना में कम पानी, उर्वरक और कीटनाशकों की आवश्यकता होती है और मुनाफा अधिक। लेकिन जीएम फसलों, खासकर कपास को लेकर हमारे अनुभव बताते हैं कि ऐसे बीजों के दूरगामी परिणाम खेती और पर्यावरण के लिए भयावह हैं। समझना होगा कि जीएम फसलों को उत्पाद के मूल जीन को कृत्रिम रूप से संशोधित किया जाता है। आमतौर पर किसी अन्य जीव से आनुवंशिक सामग्री डाली जाती है जिससे उन्हें नए गुण दिए जा सकें जैसे अधिक उपज व पोषक तत्व, कम खरपतवार, कम रोग, कम पानी हो सकते हैं।

भारत में धारा सरसों हाइब्रिड-11 (डीएमएच-11) को देशी सरसों किस्म 'वरुणा' और यूरोपीय किस्म 'अर्ली हीरा-2' के संकरण से विकसित किया गया है। इसमें दो विदेशी जीन 'बार्नेज' और 'बार्स्टार' शामिल हैं, जिन्हें बैसिलस एमाइलोलिके फैसिएन्स नामक मृदा जीवाणु से पृथक किया गया है। दावा है कि इस बीज से उपज को 3-3.5 टन प्रति हेक्टेयर तक बढ़ाया जा सकता है।

हमारे देश में अभी तक कानूनी रूप से केवल बीटी कपास एकमात्र जीएम स्वीकृत फसल है। बीते 17 सालों में कपास के बीज दावों पर खरे उतरे नहीं। बीटी बीज देशी बीज की तुलना में बहुत महंगा है और इसमें कीटनाशक का इस्तेमाल करना ही पड़ा। फसल ज्यादा नहीं, लेकिन हर साल बीज खरीदना मजबूरी हो गई। विकसित देशों में भी ऐसे बीजों से उर्वर क्षमता व पौष्टिक तत्व कम हुए हैं।

बीटी कॉटन बीज बनाने वाली कंपनी मोनसेंटो ने 1996 में अपने देश अमेरिका में बोलगार्ड बीजों का इस्तेमाल शुरू करवाया था। इसके नतीजे निराशाजनक रहे। दुनियाभर में कहीं भी बीटी फसल को खाद्य पदार्थ के रूप में मंजूरी नहीं मिली है। अमेरिका में मक्का और सोयाबीन के बीटी बीज कुछ खेतों में बोए जाते हैं, लेकिन इस उत्पाद को इंसान के खाने के रूप में इस्तेमाल पर पाबंदी है। यूरोप में भी इस पर सख्त पाबंदी है। ऐसे में भारत में सरसों तेल के लिए बीटी पर मंजूरी शक पैदा करती है।

जीएम बीजों से उत्पन्न सरसों के फूल मधुमक्खियों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। इस तरह के बीजों से उत्पन्न सरसों के फूलों में मधुमक्खियों को परागण तो मिलेगा नहीं, उलटे कुछ जानलेवा कीटों की वे शिकार हो जाएंगी। इससे उनके खत्म होने की आशंका है। वहीं जीएम बीज हमारे पारंपरिक बीजों के अस्तित्व के लिए खतरा है और अब बदले हुए नाम से इन्हें बैंगन-टमाटर आदि के लिए पिछले रास्ते से घुसाया जा रहा है।

बता दें कि केंद्र सरकार कोई दो साल पहले जीनोम एडिटेड टेक्नोलॉजी का उपयोग कर नई फसल प्रजातियां विकसित करने के शोध को मंजूरी दे चुकी है। चालाकी से जेनेटिकली मोडिफाइड के नाम पर जीन एडिटिंग तकनीक शब्द का इस्तेमाल किया गया। वैसे यूरोपीय यूनियन में अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि जीन एडिटिंग तकनीकी और जीएम फसल अलग नहीं। जाहिर है, अदालतें जब जीएम बीजों पर कोई फैसला देंगी तो जीनोम एडिटेड प्लांट्स के नाम से ये बीज बाजार में बिक रहे होंगे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार गठित होने वाली कमेटी में इस नई तकनीक को यूरोपियन यूनियन की तरह जीएम ही मानना होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्जिंग की सुविधा

इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्जिंग की सुविधा देने के लिए नेशनल हाई-वे पर भी बड़ी संख्या में चार्जिंग स्टेशन बनाए जा रहे हैं, ताकि अंतर शहरी इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हो और लोग निश्चिंत होकर लंबी दूरी की यात्राएं कर सकें। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार भारी उद्योग मंत्रालय ने पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत तीन तेल विपणन कंपनियों के माध्यम से कुल 7432 ईवी चार्जिंग स्टेशनों में से 5833 को हाई-वे के किनारे लगाने का लक्ष्य रखा है।

5293 स्टेशन तैयार भी बताए जा रहे हैं। तेल विपणन कंपनियों को इन चार्जिंग स्टेशनों के लिए आठ सौ करोड़ की पूंजी भी सब्सिडी भी दी गई है। इनमें पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत 178 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए 4729 ईवी चार्जिंग स्टेशन भी शामिल हैं। टाटा की चार बड़े ऑपरेटरों द्वारा दो साल के भीतर ही दस हजार नये स्टेशन स्थापित करने की भी योजना पर काम जारी है। हालांकि टेस्ला दुनिया की सबसे बड़ी फास्ट चार्जिंग नेटवर्क की मालिक है। जो अपने ई-वाहनों को तयशुदा वक्त तक मुफ्त चार्ज करने की सुविधा प्रदान करती है। इस तरह की आकषर्क योजनाओं द्वारा खरीदारों को इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के प्रति प्रोत्साहित किया जा सकता है।

चूंकि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसको देखते हुए सरकार वितरण, पारेषण व इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास व रख-रखाव को लेकर गंभीर है। इसीलिए केंद्र सरकार द्वारा सब्सिडी व छूट दी जा रही है। हैरत है कि कुछ राज्य सरकारें कई जगह चार्जिंग स्टेशनों पर 18 फीसद जीएसटी लगा रही हैं, जिससे वाहन चालकों पर यह बोझ बढ़ सकता है। इलेक्ट्रिक वाहनों को काफी किफायती माना जा रहा है। ये पर्यावरण के अनुकूल तो हैं ही। इनका रख-रखाव करने में भी विशेष दिक्कत नहीं आती।

अब तक ई-वी की चार्जिंग को लेकर संशय बना रहता था। जो इस सुविधा से काफी हद तक संतुष्ट हो सकते हैं। हालांकि ई-वी के प्रयोग के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के प्रति सरकारी स्तर पर गंभीर व दूरदर्शितापूर्ण कदम उठाये जाने की जरूरत है। बात केवल चार्जिंग स्टेशनों तक ही सीमित नहीं है। इसे संपूर्णता में देखना होगा और ई-वी की तरफ लोगों को प्रोत्साहित करने वाली केंद्र की योजनाओं को बेहतर रूप में लागू करने के प्रति प्रातिबद्ध होना होगा।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

अडानी के बाद सेवी क्यों है निशाने पर

सुनील दास

ऐसी कंपनी पर कोई कैसे भरोसा कर सकता है, जिसका काम संदेहास्पद रिपोर्ट जारी कर किसी नामी कंपनी की साख, किसी संस्था के चेयरपरसन की विश्वसनीयता पर शक पैदा करना हो। हमारे देश में कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण वही करते हैं जो शार्ट सेलिंग कंपनी अपने आका के इशारे पर भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए करती है। हिंडनबर्ग कंपनी के मकसद को हमारे देश के राजनीतिक दलों के नेता समझते नहीं है या जानबूझकर समझना नहीं चाहते हैं। वह सोचते हैं कि यह कंपनी तो उनके टारगेट को टारगेट कर रही है, इससे तो उनके आरोपों को ही बल मिलता है। हकीकत में हिडनबर्ग कंपनी अमरीका जैसे देश का ऐसा टूल है जिसका इस्तेमाल वह भारत में राजनीतिक व आर्थिक अराजकता फैलाने के लिए करता है। पहले उसने अडानी को नुकसान पहुंचाने के लिए संदेहास्पद रिपोर्ट जारी की थी और भारत व अडानी के कंपनी के हमले के लिए तैयार नहीं होने के कारण वह अडानी व भारत के लोगों को नुकसान पहुंचा कर खुद करोड़ो रुपए का मुनाफा कमाया था। हिंडनबर्ग कंपनी ने इस बार अडानी को नहीं सेवी के चेयरपरसन को अपना टारगेट बनाया है तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि उसने ऐसा क्यों किया है हकीकत यह है कि उसके पास अडानी के खिलाफ कुछ भी नया नहीं है, वही पुरानी बातें हैं,जिसे सेवी ने नकार दिया और अडानी ग्रुप को क्लीन चिट दे दी थी और कंपनी को कारण बताओं नोटिस जारी किया और पक्षपातपूर्ण शार्ट सेलिंग के मकसद से जारी रिपोर्ट को लेकर जवाब मांगा था।

हिंडनबर्ग कंपनी सच्ची होती तो वह सेवी के कारण बताओं नोटिस का जवाब देती, उसने ऐसा नहीं किया और सेवी के चेयरपर्सन पर एक रिपोर्ट जारी कर उनकी विश्वसीनीयता पर सवालिया निशान लगाने का प्रयास किया। इससे हुआ यह है कि हिंडनबर्ग कंपनी की विश्वसनीयता पर ही सवालिया निशान लग गया है।यही वजह है कि जवाब में अडानी ग्रुप के खिलाफ कोई नया सबूत पेश करने की जगह सेवी को ही सवालों के कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया है, हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का इस बार भारत मे कोई खास असर नही हुआ। सुबह शेयर बाजार में गिरावट के बाद बाजार कुछ देर में ही संभल गया। क्योंकि हिंडनबर्ग ने इस बार जिस पर आरोप लगाया है, उसने तो साफ कह दिया है कि हिंडनबर्ग जो आज बता रहा है, वह तो पहले ही सरकार को बता चुकी हैं। यानी हिंडनबर्ग पुरानी बात को उजागर भारत मे बवाल पैदा करने को सोच रहा था, वैसा कुछ नहीं हुआ तो इसलिए कि बवाल होने का चांस ही नही था।

रिपोर्ट में भी बवाल होने लायक कुछ नही था। सेवी की चेयरपर्सन व अडानी ग्रुप की तरफ से भी सही समय पर रिपोर्ट पर बयान जारी कर दिया गया, इसका असर यह हुआ कि पिछली बार की तरह हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से शेयर बाजार को कोई खास नुकसान नहीं हुआ। विपक्ष जरूर हमेशा की तरह उत्साहित हो गया कि उसे अड़ानी के खिलाफ कोई बड़ा मुद्दा मिल गया है।कांग्रेस ने तो हमेशा की तरह इसे अडानी का महाघोटाला बताकर जेपीसी से जांच कराने की मांग कर दी। कांग्रेस भी जानती है कि अगर हिंडनबर्ग के पास अडानी के खिलाफ कोई दस्तावेजी सबूत होता तो वह यह रिपोर्ट माधवी बुच के खिलाफ नहीं अडानी के खिलाफजारी करता। हिंडनबर्क ने अडानी की जगह माधवी बुच पर हमला किया है तो साफहै कि वह बचाव की मुद्रा में है, अपनी साख बचाने के लिए वह सेवी चेयरपरसन की साख पर शक पैदा करना चाहता है। यह शक पैदा होता यदि सेवी चेयरपरसन ने कुछ छिपाया होता। कुछ गलत किया होता। उन्होंने इंकार किया होता कि हिंडनबर्ग ने जो बताया वह गलत है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट इस बार धमाका करने की बजाय फुस्स हो गई है।राहुल गांधी व कांग्रेस को फिर निराशा होगी कि वह मोदी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक ठोस मामला तक नहीं तलाश कर पा रहे हैं। ऐसे में तो जनता यही मानेगी कि इस मामले में वह विदेशी ताकतों का मोहरा बन कर रह गए हैं।इससे राहुल गांधी व कांग्रेस की साख कम होती है। राफेल, हिडनबर्ग, पेगासस हर मामले में कांग्रेस नेता झूठे साबित हुए हैं क्योंकि वह बिना सोच समझे ही विदेशी कंपनी की रिपोर्ट व खबर पर यकीन कर लेते हैं। वह सोचते तक नहीं है कि इस विदेशी कंपनी का मकसद कहीं देश को नुकसान पहुंचाना तो नहीं है।

(ये लेखक के विचार हैं)

बढ़ी आमदनी लाएगी किसानों के लिए खुशहाली

देविंदर शर्मा

पिछले लगभग पच्चीस सालों से बजट प्रस्तुत करते समय अमूमन प्रत्येक वित्त मंत्री अपने संबोधन की शुरुआत भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्ती भूमिका का विशेष रूप से बखान से करता आया है। बजटीय भाषणों में इसका गुणगान करने को वे 'किसान की आज़ादी' से लेकर खेती को देश की 'आर्थिकी की जीवनरेखा' बताने जैसे अनेक जुमले इस्तेमाल करते रहे। अरुण जेटली ने कृषि आय में बढ़ोतरी को सरकार की प्राथमिकता में एक बताया था। निर्मला सीतारमण ने भी कृषि की महत्ता को मान्यता देते हुए इसे अपनी नौ मुख्य प्राथमिकताओं में एक बताकर सम्मानीय स्थान पर रखा है। लगभग हर बजट में जिस प्रकार कृषि को आगे बढ़ाने की बातें की गईं, उसके मुताबिक तो अब तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कायाकल्प हो चुकी होती। लेकिन 'ध्यान का केंद्र' ठहराए जाने के बावजूद एक बार भी ऐसा नहीं लगा कि कृषि उबरने की राह पर है। यह इसलिए क्योंकि अधिक जोर फसल उत्पादन बढ़ाने पर बना रहा। इस उम्मीद से कि इससे किसान को अधिक कीमत और आय मिल पाएगी। परंतु कृषि संत्रास उलटा और बढ़ता गया। यदि सफल हरित क्रांति और प्रत्येक बजटीय सहायताओं के बावजूद किसान की खेती से होने वाली औसत वार्षिक आय 10,218 रुपये जितनी है तो खेती पर गहराए गंभीर संकट से इनकार नहीं किया जा सकता।

यहां पर हकीकत की जांच यह है : अनुमानों के अनुसार कर्नाटक में पिछले 15 महीनों में लगभग 1,182 किसानों को आत्महत्या करनी पड़ी है। वहीं महाराष्ट्र में इस साल जनवरी से जून के बीच 1,267 कृषकों को खुदकुशी करनी पड़ी, इसमें 557 मामले अकेले विदर्भ क्षेत्र से हैं।

किसानों द्वारा आत्महत्या कोई नया चलन नहीं है। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के पिछले 27 साल के रिकॉर्ड ऐसे मामलों की बहुत बड़ी संख्या दर्शाते हैं। जबकि यह काल वह था जिसमें हर साल बजट में कृषि के लिए पिछले साल से अधिक राशि का प्रावधान किया जाता रहा। वर्ष 1995 से 2014 के बीच, 2,96,438 कृषकों को अपना जीवन समाप्त करने का अतिशयी कदम उठाना पड़ा। वर्ष 2014 से 2022 के बीच यह आकंड़ा 1,00,474 रहा। सरल शब्दों में, 1995 से 2022 के मध्य लगभग 4 लाख किसानों ने आत्महत्या की है और वह भी ऐसे वक्त में जब हर साल बजट में कृषि को उबारने का वादा किया जाता रहा। बजटीय राशि और कृषि संत्रास जारी रहने के बीच कोई मेल नहीं है।

तेलंगाना अब कृषि णों को माफ करने के दूसरे चरण में है। इस प्रक्रिया में 6.4 लाख किसानों का 6.198 करोड़ रुपये कर्ज माफ किया जाएगा। जिसमें प्रत्येक किसान को कुल ऋण में 1.5 लाख रुपये की राहत मिलेगी। प्रथम चरण में, लगभग 11.34 लाख कृषकों के बैंक खाते में कुल 6,190 करोड़ रुपये डाले गए। तीसरे चरण में, जो इस महीने शुरू होगा, 17.75 लाख किसानों को 12,224 करोड़ रुपये की ऋण छूट मिलेगी। कुल मिलाकर, सूबे में 35.5 लाख किसानों को कर्ज में राहत मिलेगी। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं कि अन्य राज्यों के लिए कृषक के सिर पर बढ़ता जा रहा कर्जा चिंता का विषय नहीं है। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने संसार की मुख्य 54 अर्थव्यवस्थाओं द्वारा किसान को सब्सिडी के रूप में दी जाने वाली मदद का अध्ययन करने के बाद जो नवीनतम वैश्विक विश्लेषण पेश किया है, उसके अनुसार भारत ही एकमात्र देश है जिसका किसान अपना घाटा पूरा करने को यथेष्ट बजटीय प्रावधानों से महरूम है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारतीय किसान वर्ष 2000 से साल-दर-साल घाटा खा रहा है। क्या अर्थव्यवस्था का कोई अन्य क्षेत्र लगातार होते घाटे में जीवित रह पाता?

भले ही हम कार्यविधि में खामियां ढूंढ़ें लेकिन तथ्य यही रहेगा कि तकनीक विकास की कितनी भी मदद करें या उत्पादकता बढ़ाने को अन्य योजनाओं को कितना भी धन दें, लेकिन इससे किसी किसान की व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी होने से रही। दुनिया में भी कहीं और ऐसा नहीं हो पाया। ओईसीडी का अध्ययन इस तथ्य पर मुहर लगता है। यह वही है, जिसे आम बोलचाल की भाषा में 'वाया बठिंडा' कहते हैं अर्थात? काम या उपाय व्यर्थ घुमा-फिराकर करना। क्यों नहीं हम कृषि आय में बढ़ोतरी के उपाय, इसमें प्रयुक्त अवयवों अथवा तकनीक के आपूर्तिकर्ताओं के माध्यम से करने के बजाय सीधी राह से करते? अनेकानेक अध्ययन दर्शाते हैं कि कैसे लगभग सारा मुनाफा आपूर्तिकर्ताओं की जेबों में चला जाता है और किसान वहीं का वहीं यानी सबसे निचले पायदान पर रह जाता है। यहां तक कि आपूर्ति श्रृंखला के मामले में भी, अंतिम छोर पर हुए खुदरा मुनाफे में किसान का हिस्सा महज 5-10 फीसदी या इससे कम रहता है। यूके में हुआ हालिया अध्ययन कहता है कि जहां स्ट्रॉबेरी और रसभरी के विपणन से खुदरा मुनाफा 2021 में बढ़कर 21 पेंस हो गया, वहीं इसमें किसान के हिस्से सिर्फ 3.5 पेंस आए। इससे पहले के कुछ अध्ययन दर्शाते हैं कि रोजमर्रा इस्तेमाल की जिन छह आवश्यक वस्तुओं पर कोई उपभोक्ता निर्भर है, किसान को उनसे प्राप्त खुदरा मुनाफे में केवल 1 फीसदी मिलता है। इसलिए, आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने पर जोर जरूरी है जैसा कि नवीनतम बजट में भी कहा गया है, यह तभी कारगर हो पाएगा यदि मुख्य उत्पादक यानि कृषक के अधिक हिस्से की गारंटी सुनिश्चित हो।

बजट में कृषि क्षेत्र के लिए कुल बजट का महज 3.15 प्रतिशत धन रखना, वह भी तब जब देश की लगभग आधी आबादी का रोजगार खेती हो, इससे कुछ बहुत अधिक प्राप्ति की उम्मीद नहीं की जा सकती। इस साल कृषि क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं। पिछले साल के मुकाबले इजाफा भले ही 26000 करोड़ रुपये अधिक है, किंतु आवश्यक रूप से गैर-योजनागत खर्चों के लिए है, पहले से चली आ रही योजनाओं के लिए। यह देखते हुए कि कृषि बजट में 60,000 करोड़ रुपये वह मद भी शामिल हैं, जो प्रधानमंत्री किसान निधि योजना के लिए है, जिसके तहत लाभार्थी किसान के बैंक खाते में प्रति माह 500 रुपये दिए जाते हैं, तब कृषि बजट हेतु पीछे केवल 92,000 करोड़ रहे। कोई हैरानी नहीं कि पारिवारिक उपभोग व्यय सूचकांक 2022-23 हमें बताता है कि ग्रामीण क्षेत्र में एक परिवार का मासिक औसतन व्यय महज 3,268 रुपये है। अगर खेती से आय व्यावहारिक नहीं होगी तो जाहिर है ग्रामीण इलाकों में लोग खरीद करने में कम पैसे खर्चेंगे।

इसलिए, कृषि की स्थिति पर गंभीर होकर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। सर्वप्रथम गौर जीवनयापन जैसे अति महत्वपूर्ण मुद्दे पर करना होगा ताकि खेती से आय समाज के अन्य तबकों जितनी हो पाए। इसको लेकर मेरा सुझाव है कि राष्ट्रीय कृषक आय एवं भलाई आयोग बनाया जाए, जो तयशुदा समय के भीतर, कृषि आय बढ़ाने के निश्चित उपाय बताए। इसकी शुरुआत न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनन बाध्यता बनाकर की जाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)

योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

गार्डन की सफाई पर विभाग दे ध्यान -महापौर शशि

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने सोमवार को जन स्वास्थ्य और लोक निर्माण विभाग की समीक्षा की। उन्होंने गार्डन की सफाई पर जोर दिया। इसके अलावा निगम क्षेत्र में चलने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान देने कहा। महापौर ने कहा कि सार्वजनिक जगहों की सफाई पर विशेष ध्यान दे। गार्डन में गंदगी फैलाने वालो को संमझाइस दे। नहीं मानने पर नियमत: कार्यवाही करे। महापौर ने कहा कि सफाई निविदा प्रक्रिया के लिए विशेष प्रयास कर कार्य को पूर्ण करे। बैठक में एम आई सी अनुप डे, पार्षद विलास बोरकर, संजू नेताम ,कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ठेकेदार पर सख्ती बरते: महापौर ने रिसाली में चल रहे लगभग 100 निर्माण कार्यों की समीक्षा की। महापौर ने निर्देश दिए कि कार्यों पर इंजीनियर निरीक्षण करे। समय पर कार्य पूरा नहीं करने वाले ठेकदारों से सख्ती से पेश आए। उन्हे नोटिस दे।

संभागायुक्त एसएन राठौर ने किया एसडीएम कोर्ट एवं तहसील कार्यालय का निरीक्षण

दुर्ग। दुर्ग संभागायुक्त एस एन राठौर ने आज अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय और तहसील कार्यालय दुर्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीएम कोर्ट और तहसील कोर्ट में लंबित प्रकरणों के निराकरण के संबंध में संबंधित अधिकारियों से चर्चा की तथा आवश्यक निर्देश दिए। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने सभी तहसीलदार और नायाब तहसीलदार को शासन के दिशा निर्देशों और नियमों को ध्यान में रखते हुए राजस्व प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने निर्देशित किया। उन्होंने तहसील कार्यालय के विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम एच.एस. मिरी, तहसीलदार पी.आर. सलाम, अतिरिक्त तहसीलदार श्रीमती ख्याति नेताम एवं नायब तहसीलदार सुश्री कलिहारी एवं स्टाफ उपस्थित थे।

विधायक गजेंद्र ने स्कूली बच्चों को नशा पान से दूर रहने शपथ दिलायी

दुर्ग। नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर शहर विधायक गजेंद्र यादव ने स्कूली बच्चों को नशा पान से दूर रहने का शपथ दिलाये। समाज कल्याण विभाग द्वारा स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी क्षमता के अनुसार अपने घर परिवार के सदस्यों को हर सम्भव नशे से दूरी रखने प्रयास करने कहा। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आज झाड़ूराम देवांगन स्कूल में विद्यार्थियों को स्वयं एवं परिवार के सभी सदस्यों को नशे से दूर रहने एवं समाज को नशामुक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। विधायक गजेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को नशा के कारण शरीर पर होने वाले दुष्परिणाम को बताते हुए कहा की नशा नास का जड़ होता है। विद्यार्थियों को शपथ में बताये की युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अत: यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। देश की इस चुनौती को स्वीकार करते हुए हम आज नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल समुदाय, परिवार, मित्र, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त कराएँगे, बदलाव की शुरुआत अपने आप से होनी चाहिए।

तीन साल में बदली छत्तीसगढ़ चेम्बर की तस्वीर रायपुर के बाद भिलाई सबसे आगे : अजय भसीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दिल से आभार कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री भसीन ने व्यापारियों व उद्योगपतियों का जताया आभार

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई द्वारा सोमवार को होटल सेंट्रल प्वाइंट में दिल से आभार व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। तीन साल का सफल कार्यकाल पूरा करने वाले छत्तीसगढ़ चेम्बर के महामंत्री अजय भसीन ने उपस्थित सभी उद्योगपतियों व व्यापार जगत के दिग्गजों का आभार जताया। इस मौके पर उन्होंने इन तीन वर्षों में चेम्बर के काम में सक्रिय योगदान देने के लिए चेम्बर के सदस्यों का सम्मान भी किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ चेम्बर की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आज रायपुर के बाद भिलाई पूरे प्रदेश में आगे हैं।

अजय भसीन ने कहा कि आप सभी ने जिस विश्वास से मुझे महामंत्री चुना था उसी भाव से मैने एक एक व्यापारी के लिए व व्यापार के हित के लिए अपना शत प्रतिशत समर्पण दिया है। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स ने इन तीन वर्षों में सर्वाधिक सदस्य जोड़ने का काम किया है। रायपुर के बाद भिलाई जिला संगठन के नजरिए से सबसे आगे है। वर्तमान में यहां 33 सौ से ज्यादा व्यापारी चेम्बर से जुड़े हुए हैं। व्यापारियों के हित के लिए प्रदेश चेम्बर हमेशा आगे रहा है और आगे भी रहेगा।

आज के कार्यक्रम में राहुल बत्रा अध्यक्ष सी ए एसोसिएशन, पुनीत पारवानी, नीलाद्रि शाह, नवीन, सीए दिनेश कुकरेजा, पवन अग्रवाल, मनोहर कृष्णानी, पत्रकार मोहन राव व एयू बैंक को चेम्बर में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में रतन दास गुप्ता अध्यक्ष बीएसपी एंसिलरी इंडस्ट्री एसोसिएशन, अतुल चंद साहू अध्यक्ष भिलाई वायर ड्रम एसोसिएशन, करमजीत बेदी कार्यकारी अध्यक्ष चेंबर एवम लघु उद्योग भारती, नर्सिंग कुकरेजा, नीलाद्रि शाह, सुशील अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल,सुनील मिश्रा,नरेश वासवानी,पवन जिंदल,चिन्ना राव, भोलानाथ सेठ, राम ओबेरॉय व अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

महामारी के दौर में किया उत्कृष्ठ काम

उस समय जब विश्व महामारी से देश जुझ रहा था उस समय ऐसा उत्पाद निर्माण किया गया जिसकी उत्पाद लागत अन्य देशों से कम थी और हमे आयात करने की जरूरत भी नही पड़ी। मेरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी (यू एस ए) द्वारा उत्पाद की परख,उसकी गुणवत्ता की परख व हर औद्योगिक पैमाने से परख की गई और निर्णय दिया कि यह उत्पाद हर मायने में उत्तम है और इसे निर्मित करने वाले श्री जितेंद प्रसाद गुप्ता जी को डॉक्टरेट की उपाधि देने का निर्णय लिया। उद्योग जगत के सभी एसोसिएशन द्वारा डॉ जेपी गुप्ता की उपलधि पर सम्मानित किया गया।

उद्योगपति जितेंद प्रसाद गुप्ता का विशेष सम्मान

कार्यक्रम के दौरान भिलाई के उद्योगपति जितेंद प्रसाद गुप्ता को विशेष उपलब्धि पर डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि के लिए चेम्बर द्वारा उनका सम्मान किया गया। उनके सम्मान में महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि जितेंद प्रसाद गुप्ता ने भिलाई का नाम विश्व पटल पर अंकित कराया। आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत एक विशेष उत्पाद निर्माण जिसने भारत सरकार के निवेश में कमी आई ,विशेष बात यह थी कि वह करोना काल का समय था।

सावन का चौथा सोमवार : दया सिंह ने 101 किलो दूध से महादेव का किया रुद्राभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सावन के पावन महीने में पूरी इस्पात नगरी शिव की भक्ती में डूबी हुई है। शिवभक्त व बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह सावन के हर सोमवार को महादेव की विशेष पूजा करते हैं। हर सप्ताह की तरह सावन के चौथे सोमवार को भी दया सिंह ने महादेव का रुद्राभिषेक कर उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर उन्होंने भिलाई पावर हाउस स्थिति माता राज राजेश्वरी मंदिर में 101 किलो दूध के साथ महादेव का अभिषेक किया।

बता दें कि सावन के हर सोमवार को बोल बम समिति की ओर से राजराजेश्वरी मंदिर में रुद्राभिषेक कराया जाता है। इसी कड़ी में बोल बम एवं सेवा कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह के साथ उनकी टीम ने राजराजेश्वरी मंदिर पावर हाउस में 101 किलो दूध से रुद्रा महाअभिषेक किया। यह पूरा अनुष्ठान आचार्य अजाब लाल दिवेदी द्वारा संपन किया गया। सावन पर्व के चतुर्थ सोमवार को महाअभिषेक कर छत्तीसगढ प्रदेश की खुशहाली कि कामना कर भोग प्रसादी सभी भक्त जनों दिया गया द्य साथ ही मंत्रोच्यार के साथ विधि विधान में पूजा की गई। रूद्र महाअभिषेक में विजेंद्र मिश्रा, प्रशांत कुमार, राकेश प्रसाद, संतोष चौहान, प्रदीप सोनी, प्रमोद सिंह, मुकेश शर्मा, सुनील अग्रवाल, नंदू गुप्ता, संजय सिंह, मिंकु चावला, विनोद गुप्ता रोकी सिंह, विनय मानिकपुरी, प्रदीप पाण्डे, विनय शर्मा अन्य सैकड़ों भक्तजन शामिल रहे।

बकाया टैक्स हाई अलर्ट मोड़ पर सहायक राजस्व अधिकारी, बोले

शत-प्रतिशत वसूली का रखा लक्ष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के दिशा निर्देश पर डाटा सेंटर के सभागार में सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर द्वारा राजस्व विभाग के उप सहायक राजस्व निरीक्षक एवं सहायक राजस्व निरीक्षकों के साथ की समीक्षा बैठक,टैक्स वसूली को लेकर वार्डवार वसूली की जानकारी ली।

बकाया टैक्स हाई अलर्ट मोड़ पर राजस्व विभाग,समीक्षा बैठक में शत-प्रतिशत वसूली का लक्ष्य रखा गया है।बता दे कि आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा गत सप्ताह बैठक में दिये गये निर्देश की जानकारी लेकर वित्तीय वर्ष पर शत प्रतिशत वसूली के निर्देश दिये।सहायक राजस्व अधिकारी द्वारा समीक्षा बैठक में समस्त सहायक राजस्व निरीक्षकों व राजस्व उप निरीक्षकों से उनके प्रभारित वार्डो की वार्डवार वसूली की जानकारी ली तथा गत सप्ताह के बैठक में दिये गये निर्देश की जानकारी लेकर राजस्व वसूली शत प्रतिशत वसूली के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड प्रभारी घर घर जाकर वसूली करे,अवकाश के दिनों में भी घर घर वसूली करने के साथ साथ निगम के राजस्व कार्यालय में भी वसूली की जानकारी रिपोर्ट मांगी। इसके अलावा नामांतरण के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करे और भवन पूर्णता के आधार पर संपत्तिकर अधिरोपित करें। जिससे करों में वृद्धि हो सके।

उन्होंने कहा कि जल विभाग से समांजस्य कर नये घरों से जलकर की वसूली करे। बैठक में सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर ने कहा कि बकाया राशि की वसूली करना हमारी प्राथमिकता रहेगी।

आयुक्त के निर्देश पर उन्होंने बैठक लेकर कहा इसी प्रकार भवन शाखा से नये मकानों की जानकारी लेकर सम्पत्तिकर, जलकर व समेकितकर की वसूली करे। जिससे शतप्रतिशत वसूली हो सके।सहायक राजस्व निरीक्षक एवं वार्ड प्रभारी जो करदाता जलकर सहित अन्य कर जमा नहीं कर रहे है ऐसी स्थिति में संबंधित का नल विच्छेदन की कार्यवाही करे।जिन बडे बकायादारों को अंतिम नोटिस जारी किया गया है और उन्होंने करों का भुगतान नहीं किया है उनकी कुर्की की कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि लंबे समय से बकाया दुकानदारों की दुकाने को नोटिस जारी कर कार्यवाही करे।

मासिक धर्म को लेकर जागरूकता अभियान, समाज में प्रचलित भ्रांतियों पर कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों और कलंक को दूर करने के लिए सामुदायिक कार्यक्रम और शिक्षा अभियानों का आयोजन स्वामी आत्मानंद शास. अंग्रेजी माध्यम स्कूल सेलूद , पाटन में प्रतिष्ठा शुक्ला के मार्गदर्शन में व बस्ता एजुकेशन एंड हेल्प फाउंडेशन प्राचार्य एनपी देशकर के सानिध्य व विनीता पटेल द्वारा मासिक धर्म शिक्षा कार्यशाला का आयोजन किया।

यह पहल मासिक धर्म को लेकर जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रकार के प्रयासों से महिलाओं के स्वास्थ्य और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

इस कार्यशाला का समन्वयन एवीएम स्किल ट्री के समन्वयक रविंद्र धुरंधर और हेल्थ केयर वीटी चम्पेश्वरी साहू द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में छात्रों को मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता, स्थायी मासिक धर्म उत्पादों के महत्व, मासिक धर्म के वैज्ञानिक कारणों, लड़कों के लिए मासिक धर्म के ज्ञान की आवश्यकता, समाज में प्रचलित भ्रांतियों और मूड स्विंग्स के प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यशाला को छात्रों ने बहुत सराहा और इस कार्यशाला से उनके मासिक धर्म स्वास्थ्य के ज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस कार्यशाला ने छात्रों में मासिक धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छात्रों ने इस कार्यक्रम से प्राप्त ज्ञान को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन से छात्रों में मासिक धर्म के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा और उन्हें स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सकेगा।

जनदर्शन के दौरान दिव्यांग छात्रा को मिला 25 हजार रूपए का चेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में 149 आवेदन प्राप्त हुए।

पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला विनायकपुर में अतिरिक्त शिक्षक की मांग, जनदर्शन में आज 149 आवेदन प्राप्त हुए

ग्राम नगपुरा के निवासियों ने रसमड़ा अंडर ब्रिज से लेकर अंजोरा तक की जर्जर सड़क को मरम्मत कराने आवेदन दिया। रसमड़ा रेलवे क्रासिंग के पास बने अंडर ब्रिज सड़क में जगह-जगह गड्ढे होने के कारण प्रतिदिन दो पहिया चालक गिर कर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, चूंकि रसमड़ा में कम्पनी स्थापित है, जिसके कारण लोगों का सड़क मार्ग से आना-जाना लगा रहता है। इस पर कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

डिपरापारा निवासी ने मोर मकान मोर आस योजना के तहत मकान आबंटन का दस्तावेज दिलाने के लिए आवेदन दिया। आवेदिका को पोटियाकला दुर्ग में आवास आबंटित हुआ है, जिसकी प्रथम किश्त की राशि जमा की जा चुकी है, लेकिन निगम द्वारा आवास आबंटन का कोई भी दस्तावेज नही दिया गया है। दस्तावेज के अभाव में मकान में विद्युत मीटर कनेक्शन नही लग पा रहा है। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा। ग्राम पंचायत विनायकपुर के सरपंच ने बताया कि पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला विनायकपुर में पांच कक्षाएं संचालित है। यह स्कूल प्रधानमंत्री की महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत संचालित है। यहां बच्चों की संख्या अधिक और शिक्षकों की संख्या कम होने के कारण पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बच्चों के भविष्य को देखते हुए उन्होंने स्कूल में अतिरिक्त शिक्षक की मांग की। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को कार्यवाही करने कहा।

जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर द्वारा समाज कल्याण विभाग के सौजन्य से दृष्टिहीन जय माँ सरस्वती जनकल्याण सेवा समिति (रितिक ठाकुर) को संगीत वाद्ययंत्र आक्टोपेड प्रदान किया गया है। इस समिति द्वारा जनजागरण हेतु विभिन्न स्थानों पर भजन कीर्तन गीत संगीत के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाता है।इसी प्रकार कुमारी तनवी गुप्ता जो स्वामी आत्मानंद विद्यालय दीपक नगर दुर्ग में कक्षा दूसरी की दिव्यांग छात्रा है, तथा आर्थिक रूप से कमजोर होने के फलस्वरूप समाज कल्याण विभाग द्वारा आर्थिक सहयोग के रूप में क्लब फूट क्रय करने हेतु राशि 25 हजार रूपए का चेक प्रदान किया गया। साथ ही भिलाई-दुर्ग निवासियों सैय्यद फुरकान आलम, कुमारी सुमन साहू, कल्पना जायसवाल को व्हील चेयर तथा दृष्टि बाधित छात्रा कुमारी गरिमा लहरे को अध्ययन हेतु ब्रेल कीट प्रदान किया गया। जनदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना, आर्थिक सहायता, अनुकंपा नियुक्ति, सड़क मरम्मत, राशन कार्ड, अवैध कब्जा सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। इन सभी आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। जनदर्शन के दौरान एडीएम अरविंद एक्का, एसडीएम छावनी हितेश पिस्दा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

आईपीएस अरूण देव गौतम व नेहा चंपावत के प्रभार बदले

रायपुर। राज्य शासन ने सूबे के दो वरिष्ठ आईपीएस अफसरों के प्रभार बदले है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, आईपीएस अरूण देव गौतम की गृह विभाग की सेवायें सामान्य प्रशासन विभाग से प्रतिनियुक्ति से वापिस लेते हुए अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त, महानिदेशक, नगर सेना एवं नागरिक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं छत्तीसगढ़, के पद पर पदस्थ करते हुए, संचालक लोक अभियोजन छत्तीसगढ़ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं श्रीमती नेहा चंपावत, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर की सेवायें सचिव, गृह विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर के पद पर पदस्थ करने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को प्रतिनियुक्ति पर सौंपी जाती है।

सरयूपारीण ब्राह्मण सभा ने मनाई तुलसी जयंती

रायपुर। भक्ति आंदोलन की अलख अगर विश्व में किसी ने जगाई है,तो वह श्रीरामचरित मानस की रचना कर आचार्य तुलसीदास जी ने की है,उक्त बातें डॉ. सुशील त्रिवेदी पूर्व आई ए एस राज्य निवार्चन आयुक्त ने तुलसी जयंती पर कही। सरयूपारीण ब्राम्हण सभा रायपुर के द्वारा आयोजित तुलसी जयंती के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में कही। सरयूपारीण ब्राम्हण सभा प्रतिवर्ष तुलसी जयंती पर आयोजन करता है।इसी कड़ी में रविवार को तुलसी जयंती मनाई गई। अन्य वक्ता के रूप में समाज के आचार्य यदुवँशमणी त्रिपाठी एवम डॉ दादुभाई त्रिपाठी ने भी तुलसीदास जी के कृतित्व व व्यक्तिव पर प्रकाश डाला। सरयूपारीण ब्राम्हण सभा अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला ने कहा कि भगवान श्रीराम को जन-जन व घर-घर तक पहुंचाने का काम अगर किसी ने किया तो वह सरयूपारीण समाज के कुलपुरुष बाबा तुलसीदास जी ने की। आभार प्रर्दशन अजय तिवारी ने व संचालन कैलाश तिवारी ने किया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

देशव्यापी नशामुक्ति अभियान के तहत छात्राओं को समाज को नशा मुक्त करने की दिलाई गई शपथ

बेटियां पूरे समाज को नशा मुक्त करने अग्रणी भूमिका निभाएं-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देशव्यापी नशा मुक्ति अभियान के तहत आज जे.आर.दानी स्कूल की छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। उन्हें केंद्रीय मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने वर्चुअल रूप से शामिल होकर शपथ दिलाई कि नशे के खिलाफ खड़ी रहेंगी और कि इस अभियान के अंर्तगत एकजुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि देश को नशा मुक्त करने के लिए अपनी क्षमता अनुसार हरसंभव प्रयास करेंगे। साथ ही राज्य मंत्री रामदास अठावले, विभागीय सचिव अमित यादव, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह उपस्थित थे।

उन्होंने कहा, नशा केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज की समृद्धि को भी प्रभावित करता है। हमारी कोशिश है कि युवा पीढ़ी को इस बुरी आदत से बचाएं और उन्हें एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने छात्राओं के मध्य आयोजित इस कार्यक्रम को आयोजित करने के कारण चर्चा करते हुए कहा कि बेटियां परिवार की धुरी होती हैं, वह अपना स्वयं का घर ही नहीं पूरे परिवार को सम्हालती हैं। बेटियां नशे के प्रति जागरूकता होंगी, तो अपने पूरे परिवार को नशे से दूर रखने में योगदान देंगी। डॉ गौरव सिंह ने कहा कि आज जब इस कार्यक्रम के बाद अपने घर जाएं तो यह संकल्प लेंकर जाएं की अपने घर में और आस पास सभी को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

कलेक्टर ने नशा शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि किसी कथन-शब्द को यह इस रूप में ग्रहण करें यह किसी भी व्यक्ति कि दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। हम उसे नकारात्मक रूप से लेंगे तो हमें नुकसान पहुंचाएगा और सकारात्मक रूप में लें तो वास्तव में यह जीवन में बदलाव लाएगा। वास्तव में नशा होना चाहिए आगे बढ़ने का, किसी लक्ष्य को पाने का, पढ़ाई में अच्छे नंबर लाने का, अच्छा कैरियर बना कर देश के प्रति सेवा करने। डॉ सिंह ने कहा कि प्राय: देखा गया है कि सड़क दुर्घटना का कारण नशा होता है। यह उस शरीर को व्यक्तिगत नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ अन्य लोंगो को नुकसान पहुंचाता है। यह हम सबको तय करना होगा कि क्या बुरा है क्या अच्छा है। उन्होंने छात्राओं सहित उपस्थित सभी प्रबुद्धजनों से आहवान किया कि वे नशे के विरूद्ध इस अभियान में स्वयं भी शामिल हों और आस पास के सभी लोंगो को भी प्रेरित करें और पूरा समुदाय शामिल हो।

कार्यकम को जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर, समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक नदीम काजी, मुक्ति भारत अभियान की स्टेट को-ऑडिनेटर प्रियंका यादव, सर्व शिक्षा अभियान के जिला समन्वयक केएस पटले, दानी स्कूल के प्राचार्य हितेश दीवान भी उपस्थित थे। इस दौरान मठपुरैना ब्लाईंड स्कूल के छात्रों ने संगीत की प्रस्तुति दी, साथ ही संगी मितान सेवा संस्थान द्वारा नुक्कड़ नाटक का भी मंचन किया गया। इस पहल से स्कूल की छात्राओं में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ी है और उन्होंने नशे से दूर रहने की दृढ़ प्रतिज्ञा की है।

संभागायुक्त का औचक निरीक्षण, एसडीएम व तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी

अधिकारी-कर्मचारियों के नाम-पद वाली पट्टिकायें भी लगाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संभागायुक्त महादेव कावरे ने रायपुर के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कार्यालय और तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। श्री कावरे सुबह 10 बजे एसडीएम कार्यालय पहुंचे और उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों से राजस्व प्रकरणों की जानकारी तलब की। उन्होंने राजस्व संबंधी विवादित और अविवादित प्रकरणों का जल्द निपटारा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये ताकि लंबित प्रकरणों की संख्या कम हो और लोगों को सहुलियत मिले। श्री कावरे ने कार्यालयों में आने वाले लोगों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनने और जल्द समाधान करने को कहा ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर ना काटना पड़े। उन्होंने कहा कि आवश्यकता होने पर ही पक्षकार को बुलाया जाकर प्रकरणों पर त्वरित आदेश पारित करें। संभागायुक्त ने बटांकन के लिए अभियान चलाकर निपटारा करने और सीमांकन के प्रकरणों का समय-सीमा में समाधान करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कार्यालय में टूटे-फूटे कुर्सी, टेबलों-फर्नीचर की तत्काल मरम्मत कराने को कहा। श्री कावरे ने कर्मचारियों के टेबलों पर पद तथा नाम प्रदर्शित करने वाली पट्टिकायें भी लगाने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने एसडीएम कार्यालय के निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को टाईम टेबल बनाकर आवेदकों को बुलाने का सुझाव दिया। उन्होंने आवक-जावक शाखा का भी निरीक्षण किया और रिकार्ड दुरूस्त रखने और स्टॉक पंजी संधारण करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने स्टॉक के वेरिफिकेशन का सुझाव भी दिया। उन्होंने नजूल शाखा के निरीक्षण के दौरान कैश बुक और पंजीकरण रजिस्टर दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने लंबे समय से आदेश के लिए लंबित रखे गए प्रकरणों का भी अवलोकन किया और बिना किसी उचित कारण के आदेश लंबित रखने पर एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

कमिश्नर श्री कावरे ने रायपुर तहसील कार्यालय में कानून गो, वित्त, नाजिर शाखा, डब्ल्यूबीएन, रिकार्ड रूम सहित विभिन्न शाखाओं में संधारित पंजीयों और दस्तावेजों का निरीक्षण किया। संभागायुक्त ने तहसीलदार न्यायालय के प्रकरणों को बारिकी से जांचा और कई प्रकरणों के ऑनलाईन पंजीयन नहीं होना पाये जाने पर तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

श्री कावरे ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों-कर्मचारियों को नांमाकन, सीमांकन इत्यादि प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निपटारा करने के निर्देश दिये। उन्होंने आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र भी निर्धारित समय-सीमा में बनाने को कहा। संभागायुक्त श्री कावरे ने सीमांकन, अतिक्रमण, व्यवस्थापन, नक्शा का बाटांकन आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश तहसीलदार को दिए। उन्होंने तहसील कार्यालय के डब्ल्यूबीएन में उचित ढंग से कार्य करने, पंजीयों का संधारण पश्चात आवश्यक प्रवृष्टि करने तथा उसकी तहसीलदार द्वारा समय-समय पर समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर सिंह ने साप्ताहिक जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सोमवार को आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर के रेडक्रॉस सभाकक्ष में समस्याओं को सुनते हुए आवेदनों को त्वरित निराकरण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान 33 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में टिल्लू चौक निवासी धीरपाल यादव ने पटवारी सीमांकन के लिए, ग्राम छड़िया के निवासी पुनाराम वर्मा ने घास भूमि से परिवर्तित कर राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने, सेजबहार निवासी कविता गर्ग ने कॉलोनी में पानी सप्लाई सुचारू रूप से दिलाने, बीरगांव निवासी संतोष साहू द्वारा वार्ड क्रमांक 35 में राशन दुकान जल्द से जल्द शुरू करने, अग्रसेन चौक निवासी योगेश वैष्णव ने जमीन पर कब्जा करने, कन्हैया अग्रवाल द्वारा वार्ड क्रमांक 60 में रावतपुरा कॉलोनी में सड़क नाली निर्माण के लिए, ग्राम बहनाकाड़ी के निवासी श्रीमती मेमिन कौसले के द्वारा पट्टा प्रदान किए जाने देने समेत अनेकों आवेदन के माध्यम से समस्याएं दर्ज कराई गई। उल्लेखनीय है कि साप्ताहिक जनदर्शन प्रति सोमवार को आयोजित की जाती है। इसके अलावा सप्ताह में पांच दिन जनदर्शन का आयोजन कलेक्टोरेट के कमरा नंबर 4 में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाती है। जहां पर अधिकारी रोज बैठकर समस्याओं का त्वरित निराकरण करते है।

बालीवुड गेटअप में नजर आई अग्रवाल समाज की महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अग्रवाल महिला मंडल के द्वारा अग्रसेन धाम भवन में रेट्रो थीम पर अग्र सावन उत्सव का आयोजन किया गया जहां अग्रवाल समाज की महिलाएं 70 से 80 दशक के बॉलीवुड कलाकार के गेटअप में नजर आई। इस दौरान रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सभी को सावन उत्सव की बधाई देते हुए कहा कि जीवन में अगर हमें खुशहाल रहना हैं तो हमें एक-एक पेड़ लगना जरुरी हैं इससे हरियाली तो रहती हैं साथ ही हमें ऑक्सीजन भी मिलते रहता है।

इस अवसर पर एडिशनल एसपी चंचल तिवारी, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, महामंत्री मनमोहन अग्रवाल, महिला मंडल के प्रभारी कैलाश मुरारका, अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष माया मुरारका, महामंत्री ममता अग्रवाल, किशन अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, युवा मंडल के राम अग्रवाल, रचना अग्रवाल, बॉबी जैन, रेशम अग्रवाल, प्रचार प्रचार मंत्री ज्योति अग्रवाल, सुजाता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल के अलावा अन्य अग्रबंधु शामिल थे।

अग्र सावन उत्सव में महमूद के गेटअप में रंजना संघी को देखकर सभी तालियां बजाकर हंसने लगे। वे स्टेज में आकर काले से डर गई क्या... हम काले है तो क्या हुआ दिल वाले है... गाने पर डांस करने लगे। संध्या-प्रीती की जोड़ी स्टेज में अंब्रेला के साथ पहुंचे और प्यार हुआ इकरार हुआ... गाने पर एक्ट करते हुए राज कपूर-नरगिस का डायलॉग दुनिया को हंसाने, खुश करने के लिए ये चेहरा लगा रखा है.. कहा। हेलन के गेटअप में नेहा जैन पहुंची। श्वेता अपनी टीम के साथ डमडम डिगा डिगा... सांग पर डांस किया। नीलम ने अपनी टीम के साथ दम मारो दम... सांग में जीनत बनकर डांस परफॉर्म करती दिखी। श्रीदेवी के लुक में सौम्या जैन ने अपनी टीम के साथ मेरे हाथों में नौ-नौ चूड़ियां है... गाने पर डांस किया। इस अवसर पर पूरे भवन मेट्रो लुक में सजाया गया था जहां सेल्फी प्वाइंट, झूला, ऊट गाडी अनेक और विभिन्न प्रकार से सजावट की गई थी।

भावयात्रा ऐसी हो जिससे भवयात्रा का नाश हो जाए : मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी

धूमधाम से निकली शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की भव्य भावयात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर में पहली बार शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की भव्यतम भावयात्रा निकाली गई। बैंड-बाजे,घोड़े,सुसज्जित बग्गी के साथ भक्तिमय वातावरण में रविवार सुबह विवेकानंद नगर स्थित लाभार्थी संघपति के निवास स्थान से भावयात्रा का शुभारंभ हुआ। चतुर्विद संघ के परम सानिध्य में भावयात्रा टैगोर नगर होते हुए शंखेश्वर तीर्थ मंडपम विवेकानंद नगर पहुंची। शंखेश्वर तीर्थ मंडपम में शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की प्रतिमाओं को विराजित किया गया।

लाभार्थी परिवार अगल-अगल बग्गी में,अपने हाथों में शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु को विराजमान कर सवार होकर भावयात्रा में निकले। शंखेश्वर तीर्थ मंडपम पहुंचने पर भक्तिमय वातावरण में आषाढी श्रावक परिवार,कृष्ण वासुदेव परिवार और संघपति परिवार का अभिनंदन किया गया। तीनों लाभार्थी परिवार प्रभु की भक्ति में झूमते हुए तीर्थ मंडपम पहुंचे और प्रतिमाओं को विराजित कर परमात्मा के सम्मुख भाव पूर्वक भक्ति की। शंखेश्वर मंडपम में भव्य शंखेश्वर तीर्थं का निर्माण किया गया था,जहां साक्षात गुजरात में स्थित शंखेश्वर तीर्थ के दर्शन हुए।

ओजस्वी प्रवचनकार मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी ने शंखेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ की महिमा और शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की महिमा के बारे में उपस्थित श्रावक- श्राविकाओं को बताया। साथ ही नाट्य मंचन के रूप में शंखेश्वर तीर्थ की कथा व शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की महिमा को बताया गया। 13 अगस्त सावन सुदी आठम को 23वें तीर्थंकर शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु के निर्वाण के 2800 वर्ष पूर्ण होंगे। इसके उपलक्ष्य में 11 अगस्त रविवार को शंखेश्वर भावयात्रा का आयोजन हुआ। सभी भक्ति भाव से एक जगह उपस्थित होकर शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की भक्ति में शामिल हुए। अहमदाबाद के मोक्षित भाई एंड ग्रुप ने संगीतमय प्रस्तुति दी।

विवेकानंद नगर स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 जारी है। रविवार को शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की भावयात्रा के अवसर पर ओजस्वी प्रवचनकर मुनिश्री तीर्थ प्रेम विजयजी म.सा. ने शंखेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ और शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की महिमा बताई। मुनिश्री ने कहा कि भावयात्रा ऐसी हो जिससे हमारी भवयात्रा का नाश हो जाए। 24 तीर्थंकरों के पुण्य साम्राज्य के अंदर पूरा जैन जगत जी रहा है। 24 तीर्थंकरों के उपदेशों और बताए मार्ग में चलकर आज लीला लहर है। आज 24 तीर्थंकरों में से भक्तों के भाव के सबसे करीब शंखेश्वर पार्श्वनाथ दादा है।

मुनिश्री ने कहा कि जैन शासन के 108 प्राचीन तीर्थ, इनमें पांच महातीर्थ और इन पांच महातीर्थ से हटकर एक महातीर्थ शंखेश्वर तीर्थ है, जहां शंखेश्वर दादा विराजमान है। मुनिश्री ने कहा कि आज आप शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की भावयात्रा की शुरुआत कर शंखेश्वर तीर्थ मंडपम पहुंचे हो। अब यहां से शंखेश्वर तीर्थ और शंखेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु को पाना है तो उसी भावयात्रा में डुबकी लगाओ। भावयात्रा ऐसी हो जिससे हमारी भव यात्रा का नाश हो जाए।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमृत सरोवरों के निकट होगा ध्वजारोहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 77वां स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक अमृत सरोवर स्थलों में विशेष उत्सव कार्यक्रम के आयोजन करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में राज्य शासन के महात्मा गांधी नरेगा आयुक्त ने सभी जिला कलेक्टरों को कार्यक्रम आयोजन के संबंध में पत्र लिखा है। अमृत सरोवर, पर्यावरण की स्थिरता और सामुदायिक विकास के प्रति हमारी प्रतिबध्दता का प्रतीक होने के कारण स्वतंत्रता दिवस जैसे ऐतिहासिक समारोह के आयोजन हेतु उपयुक्त स्थल है।इसके तहत अमृत सरोवर स्थलों में ध्वजारोहण के आयोजन उपरांत राष्ट्रीय गान का गायन किया जाएगा। इसके साथ ही आमजन द्वारा ग्राम के मुख्य मार्गों से होते हुये अमृत सरोवर स्थलों को शामिल करते हुये तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

समुदाय के सदस्यों और स्थानीय स्कूल के बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक का मंचन आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक दिन के प्रभाव को बनाये रखने एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु अभियान चलाकर व्यापक वृक्षारोपण किया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता और हरियाली को स्थायी बनाये रखने हेतु अमृत सरोवर स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा तथा स्वतंत्रता दिवस की महत्ता, पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास आदि बिंदुओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुये सामूहिक परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी परिचर्चा आदि कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर डॉ. गौरव के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने दाल मिल का किया निरीक्षण

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम द्वारा दाल मिल का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। ग्राम पंचायत दौंदेकला के सदगुरू उद्योग में टीम ने आकस्मिक निरीक्षण कुल 1408.30 क्विंटल पाया गया, जबकि दाल मिलर द्वारा पंजीकृत व्यापारियों से नियमित रूप से संधारित स्टॉक की घोषणा भारत सरकार के पोर्टल में ऑनलाईन एन्ट्री 220.76 क्विंटल की गई है। इस प्रकार मिलर द्वारा आनलाईन एन्ट्री में अंतर मिला, जो कि संचालनालय खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण के आदेश क्रमांक 3245/ खाद्य/ 2024 2 जुलाई 2024 का उल्लंघन है जो कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध है। साथ ही मिल संचालक को जिला प्रशासन ने कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है और 21 अगस्त तक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

'पुष्पा 2' को टक्कर देने आ रही 'Mufasa: The Lion King', नए ट्रेलर ने बढ़ाई फैंस की एक्साइटमेंट

एक्शन और रोमांस से भरपूर अंग्रेजी मूवीज का क्रेज इंडिया में भी खूब देखने को मिलता है। वॉल्ट डिज्नी के तहत प्रोड्यूस की गई कई मूवीज को दुनियाभर में दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला है। हाल ही में डी-23 एक्सपो में डिज्नी की कई फिल्मों के टीजर और ट्रेलर रिलीज किए गए। साथ ही उनकी रिलीज डेट का भी एलान किया गया जिसमें मुफासा द लायन किंग भी शामिल है।

हॉलीवुड फिल्मों का क्रेज पूरी दुनिया में देखने को मिलता है। हाल ही में जेम्स कैमरून ने 'अवतार' के तीसरे पार्ट के टाइटल की घोषणा की। यह मूवी वॉल्ट डिज्नी स्टूडियो के तहत रिलीज की जाएगी। सिर्फ यही नहीं, बल्कि आने वाले दिनों में डिज्नी की कई पिक्चर्स की लड़ी लगने वाली है, जिसमें से एक मूवी सुपरहिट फिल्म 'द लायन किंग' का प्रीक्वल 'मुफासा: द लायन किंग' है।

डिज्नी की कई मूवीज का ऐलान

डिज्नी फैन इवेंट- डी23 एक्सपो में हॉलीवुड की कई मूवीज की घोषणा की कई। इसके तहत गल गैडोट की 'स्नो व्हाइट', 'मोआना 2', 'टाय स्टोरी 5' सहित कई फिल्मों की घोषणा उनकी रिलीज डेट और टीजर-ट्रेलर के साथ हुई। इन फिल्मों में 'मुफासा: द लायन किंग' का नया ट्रेलर भी है। साथ ही इसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है, जो कि 'पुष्पा: द रूल' से ज्यादा दूर नहीं है।

भाई से ही दुश्मनी मोल लेगा मुफासा

बैरी जेनकिंस के डायरेक्शन में बनी 'मुफासा: द लायन किंग' का धमाकेदार नया ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह 'द लायन किंग' का प्रीक्वल फिल्म होगी। इसमें मुफासा और उसके भाई स्कार के रिलेशन में आने वाले बदलाव को दिखाया जाएगा। वह कैसे भाई से दुश्मन बन बैठते हैं, इसा पार्ट को फिल्म में फोकस किया जाएगा।

इस दिन होगी रिलीज

यह मूवी इस साल 20 दिसंबर को रिलीज होगी। फिल्म को अंग्रेजी के अलावा हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में भी रिलीज किया जाएगा। यानी साउथ की बड़ी फिल्म 'पुष्पा: द रूल' को यह कुछ दिन बाद टक्कर दे सकती है। अल्लू अर्जुन की फिल्म 6 दिसंबर को रिलीज हो रही है।

फैंस ने दिखाई एक्साइटमेंट

'द लायन किंग' के प्रीक्वल में मुफासा और स्कार के बीच रिश्तों के बदलते मायने को देखने के लिए फैंस एक्साइटेड हैं। एक ने लिखा कि ओरिजनल एनिमेशन के साथ मूवी को रिलीज करना था। लेकिन वह फिर इस फिल्म को देखने के लिए बेताब हैं। वहीं, यूजर्स में इस बात को लेकर भी कन्फ्यूजन है कि क्या ताका ही स्कार होंगे। यानी प्रीक्वल फिल्म में मुफासा और उसके रिलेशन का खुलासा होगा।

इब्राहिम अली संग बेटी पलक के डेटिंग की खबरों पर श्वेता तिवारी ने तोड़ी चुप्पी

श्वेता तिवारी इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री हैं। अपने करियर में श्वेता ने कई हिट टीवी शोज देने के साथ बॉलीवुड और भोजपुरी सिनेमा में भी काम किया है। श्वेता की तरह ही उनकी बेटी पलक तिवारी भी इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में जुटी हैं। पलक ने बहुत की कम वक्त में अपनी खास पहचान बनाई है। प्रोफेशनल लाइफके साथ पलक पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनका नाम बीते काफी वक्त से सैफअली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ जुड़ रहा है। दोनों को कई बार एक साथ स्पॉट भी किया गया है, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। ऐसे में अब पहली बार पलक की मां श्वेता ने बेटी के रिलेशनशिप पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा?

पलक-इब्राहिम के डेटिंग की खबरों पर बोलीं श्वेता

श्वेता तिवारी ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में बेटी पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान के अफेयर की खबरों पर रिएक्ट किया है। उन्होंने कहा, पलक अब काफी मजबूत है, लेकिन कल कोई टिप्पणी या आर्टिकल उसके आत्मविश्वास को हिला सकता है। वह अभी भी एक बच्ची है। कई बार चीजें इतनी क्रूर हो जाती हैं, जैसे उसका हर दूसरे लड़के के साथ अफेयर हो! मुझे भी नहीं पता कि वह यह सब कब तक बर्दाश्त करेगी। यहां तक कि वह अपनी डेटिंग अफवाहों से हैरान भी है। वह इसका मजाक उड़ाती है, लेकिन कई बार ऐसी चीजें उसे परेशान कर सकती हैं। श्वेता की इन बातों से क्लियर है कि वो इस तरह की खबरों से परेशान तो हैं, लेकिन उन्हें पूरा यकीन है कि पलक इनसे अच्छे से निपट सकती हैं।

पलक के पतले शरीर को लेकर क्या बोलीं श्वेता

श्वेता तिवारी ने आगे पलक के पतले फिगर को लेकर उन्हें ट्रोल करने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, इससे उन्हें कोई परेशानी नहीं होती। पहले उन्हें ऐसा लगता था, लेकिन अब उन्हें पता है कि पलक जैसे दिखने वाले और उनके जैसा दिखना चाहने वाले बहुत से लोग हैं। मुझे पता है कि उसने ये बस बहुत मेहनत से हासिल किया है।

15 अगस्त को होगा 50:50! 'स्त्री-2' रेस में सबसे आगे

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्में टकरा रही हैं। राजकुमार राव और श्रद्धा की 'स्त्री 2', अक्षय कुमार-तापसी की मल्टीस्टारर 'खेल खेल में' और जॉन अब्राहम-शरवरी वाघ की 'वेदा'। तीनों फिल्मों की रिलीज डेट जैसे ही नजदीक आ रही है, टिकट खिड़की का माहौल गर्म होता जा रहा है। इस रेस में बिना किसी शोर-शराबे के श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर कॉमेडी 'स्त्री 2' सबसे आगे निकल गई है। फिल्म की तड़की एडवांस बुकिंग हो रही है और सोमवार सुबह तक 1 लाख से अधकि टिकट बिग गए हैं। जबकि दूसरे और तीसरे स्थान के लिए लड़ाई तेज हो गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज हो रही इन तीनों ही फिल्मों की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। इस बीच 'स्त्री-2' के मेकर्स ने फिल्म को 14 अगस्त की शाम को ही चुनिंदा सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला किया है। जाहिर है, इससे फिल्म की अतिरिक्त कमाई भी होगी। वैसे भी, 2018 में रिलीज 'स्त्री' की सुपर सक्सेस के कारण 'स्त्री 2' को लेकर दर्शकों में बहुत उत्साह है। जबकि इसके ट्रेलर और गानों को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इन सब का असर एडवांस बुकिंग में भी देखने को मिल रहा है।

'स्त्री 2' के 1.27 लाख टिकट बिके, मिल सकती है 30 करोड़ की ओपनिंग की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार सुबह तक 'स्त्री 2' ने एडवांस बुकिंग से 4.19 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। अब तक इसके 1,27,471 टिकटों की एडवांस बुकिंग हो चुकी है। ओपनिंग डे लिए अभी तीन दिन टिकटों की बिक्री और होनी है। ऐसे में संकेत यही हैं कि अमर कौशिक के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म रिलीज से पहले 10-15 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग कर लेगी। यदि ऐसा होता है तो ऑन स्पॉट बुकिंग और 15 अगस्त की छुट्टी को देखते हुए यही लग रहा है कि 'स्त्री 2' पहले दिन कम से कम 25-30 करोड़ रुपये की ओपनिंग जरूर लेगी।

'खेल खेल में' और 'वेदा' का क्या है हाल

एडवांस बुकिंग ही नहीं, बल्कि रिलीज के बाद कमाई की रेस में भी 'स्त्री 2' निश्चित तौर पर विजेता रहने वाली है। लेकिन असल लड़ाई इसके बाद नंबर-2 और नंबर-3 की है। दिलचस्प है कि अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, फरदीन खान जैसे सितारों से सजी 'खेल खेल में' यहां जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की 'वेदा' से पिछड़ रही है। सोमवार सुबह तक 'खेल खेल में' के लिए महज 2215 टिकटों की एडवांस बुकिंग हुई है और इससे कुल 9.38 लाख रुपये की कमाई। दूसरी ओर, जॉन अब्राहम-शरवरी वाघ की 'वेदा' के 6065 टिकट एडवांस बुकिंग में बिक चुके हैं और इससे 18.34 लाख रुपये की कमाई हुई है।

50 फीसदी स्क्रीन्स पर 'स्त्री 2' का कब्जा!

समझने वाली बात यह भी है कि सिनेमाघरों में तीनों फिल्मों के बीच एक बड़ी लड़ाई स्क्रीन्स की है। बाजार के जानकार बताते हैं कि मामाल 50:50 का रहने वाला है। यानी कि 'स्त्री 2' को सिनेमाघरों में 50 फीसदी स्क्रीन्स पर बड़ी रिलीज मिलने वाली है। फिल्म को लेकर दर्शकों के एक्साइटमेंट के लिहाज से यह सही भी है। जबकि बाकी की दोनों फिल्मों 'खेल खेल में' और 'वेदा' को बाकी बचे 50 फीसदी स्क्रीन्स में से आधे-आधे के बंटवारे पर संतोष करना होगा।

'वेदा' और 'खेल खेल में' स्क्रीन्स को लेकर मची है हाय-तौबा

हालांकि, इस बीच 'वेदा' के डिस्ट्रीब्यूटर्स जी स्टूडियो ने मल्टीप्लेक्स में 10 में से 6 शो की मांग की है। जबकि 'खेल खेल में' का डिस्ट्रीब्यूशन देख रही पैनोरमा स्टूडियो भी शोकेसिंग में अधिक से अधिक स्क्रीन्स के लिए संघर्ष कर रहा है। दोनों ही फीचर फिल्मों के लिए यह लड़ाई आखिर तक चलने वाली है। 'स्त्री 2' को देशभर में पेन मरुधरा और पीवीआर पिक्चर्स मिलकर डिस्ट्रीब्यूट कर रहे हैं।

15 अगस्त को 'डबल स्मार्ट' भी हो रही है रिलीज

रिलीज से पहले हो सकता है बड़ा उलटफेर

हालांकि, अभी एडवांस बुकिंग के लिए तीन दिन और बचे हैं, ऐसे में 'खेल खेल में' और 'वेदा' की एडवांस बुकिंग में बड़ा उलटफेर हो सकता है। खासकर इसलिए कि 'खेल खेल में' के ट्रेलर ने दर्शकों को गुदगुदाया है। जबकि 'वेदा' एक एक्शन-ड्रामा है। आम तौर पर फेस्टिव माहौल में कॉमेडी फिल्मों का जोर ज्यादा रहता है। लेकिन यहां, अक्षय कुमार की भी बात है, जिनकी पिछली फिल्में लगातार बुरी तरह पिटी हैं।

यहां एक और बात गौर करने वाली है कि 15 अगस्त को साउथ की 'डबल स्मार्ट' भी पैन इंडिया रिलीज हो रही है। राम पोथिनेनी और संजय दत्त की इस फिल्म को भी हर दिन कम से कम 3 से 4 स्क्रीन्स में दिखाया जाएगा। लेकिन पहले वीकेंड तक यह गणित बदल सकता है। खासकर सिंगल स्क्रीन थिएटर्स में पहले ही दिन से 'स्त्री 2' को सबसे अधिक शोज मिलेंगे। जबकि 'खेल खेल में' और 'वेदा' के स्क्रीन काउंट वीकेंड के कलेक्शन पर निर्भर करते हैं। इनमें से जिसकी कमाई भी पहले वीकेंड में ज्यादा रहेगी, उसे पहले सोमवार से अधिक स्क्रीन्स का फायदा मिलेगा।

'कंगुवा' ट्रेलर: सूर्या के भारी-भरकम अंदाज के आगे बॉबी देओल की एक आंख ही काफी! VFX है जबरदस्त, रिलीज डेट भी आई

सूर्या की इस साल की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म 'कंगुवा' का ट्रेलर सोमवार को रिलीज हो गया है। फिल्म में सूर्या के साथ बॉबी देओल और दिशा पाटनी भी हैं। फिलहाल ट्रेलर में बॉबी और सूर्या की झलक देखकर ही फैंस खुशी से भर गए हैं। आइए आपको भी दिखाते हैं।

सूर्या की एक्शन फिल्म 'कंगुवा' तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है, जिसे पैन इंडिया फिल्म के तौर पर रिलीज किया जाएगा। शिवा के डायरेक्शन में बनी और स्टूडियो ग्रीन के ज्ञानवेल राजा की फिल्म 'कंगुवा' ने अपने हर अपडेट के साथ दर्शकों की एक्साइटमेंट को लगातार बढ़ाया है। अब, कई लोगों के मन में उम्मीद के अंगारे चमकने के साथ, मेकर्स ने 'कंगुवा' का ट्रेलर रिलीज करके बहार ला दी है, जो दिशा पाटनी और बॉबी देओल की तमिल में एंट्री को भी दिखाती है।

फिल्म के पहले लुक से लेकर, 'कंगुवा' के पीरियड के हिस्सों को दिखाने वाली झलक, जिसमें सूर्या को एक कबीले के योद्धा के रूप में दिखाया गया है, फिल्म को बहुत अधिक प्यार मिल रहा है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार देवी श्री प्रसाद के 'फायर सॉन्ग' में एक ब्लॉकबस्टर गाने के साथ, 'कंगुवा' ट्रेलर और भी ज्यादा जबरदस्त बन गया है।

'कंगुवा' का ट्रेलर

तमिल में 'कंगुवा' का अर्थ है 'आग' और ट्रेलर बिल्कुल इसके नाम की तरह ही है। एक जंगल की कहानी शुरू होती है जो दो लोगों के बीच में चलती है। यह दिलचस्प है कि कैसे मेकर्स अभी भी स्टाइलिश सूर्या को उनके इस अवतार में ला पाए हैं, और पूरी तरह से उन पर ही फिल्म बेस्ड लगती है। ट्रेलर में बॉबी देओल पूरी तरह से सूर्या पर भारी पड़ रहे हैं। उनकी खून भरी आंखों को देखकर कोई भी कांप सकता है।

'कंगुवा' रिलीज और कास्ट

अगर सबकुछ योजना के अनुसार हुआ, तो 'कंगुवा' तमिल सिनेमा की अगली बड़ी फिल्म हो सकती है और इसमें न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक सफलता बनने के लिए सभी कंटेंट मौजूद हैं। कथित तौर पर 350 करोड़ रुपये से अधिक के बजट में बनी, ये बड़े बजट की फिल्म दशहरा रिलीज के लिए तैयार हो रही है। सूर्या, बॉबी और दिशा के अलावा, 'कंगुवा' में जगपथु बाबू, नट्टी नटराजन, केएस रविकुमार और कोवई सरला भी हैं। यह फिल्म लगभग दो दर्जन भाषाओं में 3डी और आईमैक्स फॉर्मेट में भी रिलीज होने की उम्मीद है।

पढ़ने के बाद याद नहीं रहती चीजे, इन टिप्स को करें रोज फॉलो, दिमाग होगा तेज

आजकल की भाग-दौड़ भरी जिदंगी में अक्सर लोग पढ़ी हुई चीजें भूल जाते हैं। हर बच्चे की एक ही शिकायत रहती है कि कैसे हम चीजों को हमेशा के लिए दिमाग में बैठा लें। अक्सर आपने देखा होगा किसी गाने को या वीडियो को देखो तो एक बार में याद हो जाता है लेकिन किसी किताब को पढ़ने बैठो तो, न पढ़ने का मन करता है और न याद होता है। लेकिन ऐसा क्यों होता है। इसके पीछे के कारण होता है? दरअसल, आपका ध्यान कितना होता है किसी चीज पर इसका असर होता है। आपको जो भी जल्द याद करना है उसे उतना ही मन और ध्यान से करें। जब आप किसी वीडियो को देखते हैं तो आप बड़े मन से और फोकस के साथ देखते हैं, लेकिन जब आप पढ़ने बैठते हैं तो आपका मन नहीं होता है केवल जबरदस्ती बैठते हैं।यही वजह है कि आपको कुछ वीडियोज याद हो जाती है लेकिन नोट्स नहीं। स्टूडेंट्स की पढ़ाई में मन न लगने के आज के समय में कई कारण है। आज का समय डिस्ट्रैक्शन का समय है। आस-पास हजार चीजों आपके ध्यान को भटकाती है ऐसे में सबसे पहले आपको शांत और ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर होना होगा।अच्छी बात यह है कि मेमोरी को बेहतर बनाया जा सकता है और पढ़ाई में सुधार किया जा सकता है। यहां कुछ खास टिप्स दी गई हैं, जिन्हें अपनाकर आप पढ़ी हुई चीजों को याद रखने में बेहतर कर सकते हैं।

पढ़ाई के दौरान पेंसिल या हाईलाइटर का उपयोग करें

जब भी आप पढ़ाई करने बैठें, अपने पास एक पेंसिल या हाईलाइटर जरूर रखें। इसका फायदा यह होगा कि जैसे ही आप किसी महत्वपूर्ण टर्म या डेफिनेशन को पढ़ेंगे, आप उसे तुरंत अंडरलाइन या हाइलाइट कर सकेंगे। इससे महत्वपूर्ण जानकारी को पहचानना आसान हो जाता है और वह लंबे समय तक याद रहती है। यह तरीका पढ़ाई को भी व्यवस्थित बनाता है और आपकी ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाता है।

अपने हाथों से लिख कर नोट्स बनाएं

कई बार स्टूडेंट्स समय की कमी के कारण अपने दोस्तों के नोट्स की फोटोकॉपी करवा लेते हैं। हालांकि, यह तरीका उतना प्रभावी नहीं होता। दूसरों के नोट्स पढ़ने में अधिक समय लगता है और समझने में भी कठिनाई हो सकती है। इसके बजाय, खुद से नोट्स बनाना अधिक फायदेमंद होता है। नोट्स बनाते समय आपको सामग्री को संक्षेप में समझने का मौका मिलता है और यह आपके दिमाग में अच्छी तरह बैठ जाती है।

ग्रुप स्टडी का फायदा उठाए

अगर आप और आपके दोस्त मिलकर पढ़ाई करते हैं और ग्रुप डिस्कशन करना पसंद करते हैं तो आपस में बात करके पढ़े इससे आपको चीजे लंबे समय तक याद रहेंगी। ग्रुप स्टडी के दौरान आप एक दूसरे के विचार और समझ को जान पाते हैं, जिससे पढ़ी हुई बातें लंबे समय तक याद रहती हैं। जब आप एक साथ विषय पर चर्चा करते हैं, तो आप एक दूसरे की कमजोरियों को दूर कर सकते हैं और नई जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं।

पढ़ाई के दौरान ब्रेक लेना न भूलें

लगातार पढ़ाई करने से ब्रेन थक जाता है और स्ट्रेस भी बढ़ जाता है। इसलिए पढ़ाई के बीच-बीच में ब्रेक लेना बहुत जरूरी है।छोटे-छोटे ब्रेक्स से आपका ध्यान और कंसंट्रेशन बना रहता है, जिससे पढ़ाई भी अधिक प्रभावी होती है। यह आपकी मेमोरी को भी सुधारता है और आपको ताजगी का एहसास दिलाता है।

खास खबर

राजधानी में डेंगू जनजागरूकता अभियान तेजी से प्रगति पर

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ और एनबीबीडीसीपी की टीम सहित नगर निगम स्वास्थ्य विभाग एवं जोनो की टीमो द्वारा मानसून के दौरान नगर निगम क्षेत्र के सभी जोनो के वार्डो में मच्छरजनित रोग डेंगू के प्रति जनजागरूकता लाने सतत निरंतर अभियान तेज गति से प्रगति पर है। डेंगू जनजागरूकता अभियान के तहत विभिन्न वार्डो की बस्तियों, मोहल्लों, कालोनियों में सीएमएचओ सहित एनबीबीडीसीपी की टीमें नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर घर-घर जाकर कुलर, टंकी , गमले, कंटेनर में भरा हुआ ठहरा हुआ पानी खाली करवाने एवं टेमीफेस नामक दवा का छिड़काव करने का अभियान चला रही है। साथ ही लोगो को पाम्पलेट के माध्यम से मच्छरजनित रोग डेंगू के लक्षणों, बचाव एवं सुरक्षा के संबंध में जानकारी देकर जागरूक बनाने का कार्य किया जा रहा है। रायपुर जिला कलेक्टर के आदेषानुसार एवं नगर निगम आयुक्त और सीएमएचओ के निर्देषानुसार डेंगू जनजागरण अभियान के तहत जिला स्तरीय एवं नगर निगम की टीमें अब तक 3680 घरों में घर-घर जाकर सर्वे कर चुकी है और 11087 कंटेनर गमले, टंकी, कुलर में भरा हुआ पानी खाली करवाने कार्य कर चुकी है। 33000 से अधिक लोगो से संपर्क कर पाम्पलेट के माध्यम से उन्हें डेंगू के प्रति जागरूक बनाने का कार्य किया जा चुका है।

स्वास्थ्य केन्द्र को मिला राष्ट्रीय स्तरीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र

दंतेवाड़ा। जिले के स्वास्थ्य केंद्र को मिला राष्ट्रीय स्तरीय राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी मार्गदर्शन में जिले के एक स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर गाटम को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदाय के लिए राष्ट्रीय स्तरीय से राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) गुणवत्ता का प्रमाणीकरण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के द्वारा किया गया है। इस स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा चयनित राष्ट्रीय टीम के द्वारा किया गया है। जिसमें राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाणीकरण हेतु (एनक्यूएएस) के 7 मानकों के आधार पर किया गया था। जिसमें 89.88 प्रतिशत प्राप्त हुआ। इसके अंतर्गत सेवा प्रावधान, रोगी अधिकार, इनपुट, सहायक सेवाएँ, नैदानिक सेवाएं संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्ता प्रबंधन परिणाम सबंधित संस्था के द्वारा सेवा प्रदायगी मरीज संतुष्टि, क्लीनिकल सर्विस गुणवत्तापूर्ण प्रबंध आउटपुट जैसे मानकों की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है। उक्त मूल्यांकन में खरा उतरने वाले अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। वर्तमान में जिले के 6 आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का लक्ष्य रखा गया है।

विश्व हाथी दिवस पर हाथियों को बचाने के लिए ली गई शपथ

नगरी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फ रसियाँ में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा 12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस के अवसर पर विद्यालय में छात्र-छात्राओं को हाथियों के संबंध में जानकारी देकर उनके रक्षा के लिए शपथ दिलाया गया। हाथियों के संबंध में जानकारी देते हुए विद्यालय के प्राचार्य नीरज सोन ने बताया कि प्रकृति में जीव जंतुओं की संख्या लगातार मानव दखल के कारण से कम होते जा रही है। मानव अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए जंगलों की कटाई कर रहा है और इसकी वजह से जंगली जानवर मानव रहवासी क्षेत्र तक आकर के हमारे घर, फसल और मानव को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हमें इस बात को गंभीरता पूर्वक सोचना चाहिए कि अगर प्रकृति में मानव और जीव जंतुओं का संतुलन नहीं रहेगा तो प्रकृति विनाश की कगार की ओर चला जाएगा। इसलिए हम सबको यह चाहिए कि आपको प्रकृति में रहने वाले सारे जीवों की रक्षा करनी चाहिए। प्रति वर्ष हमारे देश में सैकड़ो हाथियोंकी मौत शिकार, दलदल में फंसकर या जंगल के गड्ढों में गिरने से हो रही है।

जनसमस्या निवारण पखवाड़ा में प्रदेश भर में मिले 1.12 लाख आवेदन, 45 हजार मौके पर ही निराकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में विगत 27 जुलाई से 10 अगस्त तक संचालित जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का बेहतर प्रतिसाद लोगों को मिला है। पखवाड़ा के दौरान प्रदेश भर में आयोजित शिविरों में कुल एक लाख 12 हजार आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से करीब 45 हजार आवेदनों को मौके पर ही निराकृत किया गया। दूसरे विभागों से संबंधित आवेदनों को संबंधित विभाग को प्रेषित करने के बाद शेष आवेदनों का परीक्षण कर शीघ्र निराकरण की कार्यवाही की जा रही है।

पखवाड़ा के दौरान आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, नागरिकों को मिला त्वरित समाधान

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के दौरान सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के साथ ही क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को यथासंभव ज्यादा से ज्यादा आवेदनों को मौके पर ही निराकृत करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने खुद कई शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी थी।

राज्य के सभी 184 नगरीय निकायों में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित 15 हजार 700 आवेदन मिले जिनमें से 1200 का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर स्थल पर ही हितग्राहियों को पात्रतानुसार नए आवास की स्वीकृति, आवास आवेदन की त्रुटियों का निराकरण, किस्त का भुगतान तथा अधूरे आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के संबंध में कार्यवाही की गई। पेयजल समस्या से जुड़े 4500 आवेदनों में से 700 का शिविर में ही समाधान किया गया। इस दौरान लोगों की मांग एवं शिकायत के अनुसार नए नल कनेक्शन, पाइपलाइन का विस्तार, पाइपलाइन लीकेज की मरम्मत, पेयजल आपूर्ति संबंधी समस्याओं को निराकृत किया गया।

जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के दौरान डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, नाली सफाई, पानी निकासी तथा साफ-सफाई से संबंधित शिकायतों का तत्परता से निराकरण किया गया। नगरीय निकायों की टीम द्वारा कचरा एकत्रीकरण एवं उठाव से संबंधित 1500 आवेदनों में से 700 को शिविर स्थल पर ही निराकृत किया गया। निराश्रितों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन में आ रही समस्याओं का यथाशीघ्र निराकरण कर पेंशन की राशि प्रदान की गई। सामाजिक सुरक्षा पेंशन संबंधी प्राप्त 1950 आवेदनों में से निकाय स्तर के 550 आवेदनों को तत्काल निराकृत किया गया। शेष आवेदनों के परीक्षण की कार्यवाही जारी है। नगरीय निकायों में आयोजित शिविरों में सड़क व नाली मरम्मत तथा निर्माण कार्य से जुड़े 14 हजार 500 आवेदनों में से 600 आवेदनों को तत्काल स्वीकृत कर सड़क और नाली मरम्मत के कार्य किए गए। शेष मांगों के अनुरूप नई नाली और सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति के लिए पूर्ण प्रस्ताव तैयार कर उचित माध्यम से विभाग को प्रेषित किए जा रहे हैं। नवीन निर्माण कार्यों से संबंधित प्रस्ताव स्थल चयन तथा जांच के उपरांत निकाय के माध्यम से शासन को भेजे जाएंगे। जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के दौरान शिविर स्थल पर ही संपत्ति कर के भुगतान की सुविधा मुहैया कराई जा रही थी। नए भवनों के संपत्ति कर एवं संपत्ति निर्धारण संबंधी शिकायतों के निराकरण के साथ ही इनसे संबंधित 600 आवेदनों में से 350 को मौके पर ही निराकृत किया गया।

शिविर स्थल पर ही संपत्ति के नामांतरण, नए भवन निर्माण की स्वीकृति तथा नियमितीकरण संबंधी मांगों का यथासंभव निराकरण किया गया। इनसे जुड़े 700 आवेदनों में से 50 का त्वरित निराकरण किया गया। शेष आवेदन जिला कार्यालय या नगर निवेश से संबंधित होने के कारण इन विभागों के समन्वय से निराकृत किए जाएंगे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले में हो रहे विविध आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 9 से 15 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत सभी भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान जिला स्तर पर तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां, तिरंगा दौड़ और मैराथन जैसे अनेक देश-भक्ति से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

हर घर तिरंगा अभियान देश प्रेम की भावनाओं से जुड़ा है और यह गौरवान्वित करने वाला क्षण है। हम अपने तिरंगा का सम्मान करते हैं। यह हमारे देश की पहचान होने के साथ ही हम सभी भारतवासियों में देश प्रेम की भावना को विकसित करता है। हम सभी भारतीय हर घर तिरंगा अभियान से जुड़कर देश के स्वतंत्रता सेनानियों, वीर सपूतों को सम्मान दें। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में जिले के सभी शासकीय स्कूलों में तिरंगा रैली एवं तिरंगा शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही तिरंगा का सम्मान घर-घर और आमजन तक पहुंचे इसके लिये स्कूलों में साईकल रैली और तिरंगा रैली का भी आयोजन किया गया। लैलूंगा विकासखण्ड के स्वामी आत्मानंद हायर सेकेण्डरी स्कूल लारीपानी के बच्चों द्वारा मनमोहक मानव श्रृंखला के माध्यम से तिरंगा अंकित किया गया। इसी तरह विकासखण्ड रायगढ़ के शासकीय हाईस्कूल ननसिया के विद्यार्थियों ने रैली निकालकर हर घर तिरंगा अभियान जुड़ने एवं तिरंगा के सम्मान हेतु आव्हान किए। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी शिक्षकों, बच्चों, पालकों, आमजन, जनप्रतिनिधियों, शाला प्रबन्ध समिति के सदस्यों से अपने घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिये प्रेरित किया जा रहा है।

डिप्टी सीएम शर्मा ने नर्मदा मैय्या व जलेश्वर महादेव मंदिर में की पूजा अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सोमवार को अमरकंटक स्थित नर्मदा मैय्या मंदिर और जलेश्वर महादेव मंदिर पहुँचकर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने माँ नर्मदा और भगवान शिव से प्रदेशवासियों के लिए की सुख-शांति-समृद्धि की कामना की।

उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने रविवार को अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था और स्वयं कांवड़ियों के साथ बैठकर भोजन भी किया था। उन्होंने कांवड़ियों को भोजन का वितरण भी किया और उनके साथ पवित्र सावन माह की इस महत्वपूर्ण यात्रा में भागीदारी की थी। उन्होंने अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक की 150 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए विशेष इंतजाम करवाए हैं, ताकि भक्तगणों को यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। उनके निर्देशानुसार कांवड़ियों के लिए 15 से अधिक स्थानों पर चिकित्सकों और स्वास्थ्य

कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यात्रा के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से भी विशेष प्रबंध किए गए हैं, जिनमें 4 पुलिस पेट्रोलिंग टीमें और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस की ड्यूटी शामिल है। पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में विस्तृत निर्देश दिए गए हैं, ताकि कांवड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कांवड़ियों के लिए 20 से अधिक स्थानों पर ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई थी। अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में नि:शुल्क भोजन और रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई, जिसमें दाल-भात, सब्जी, मिठाई जैसे खीर, पुड़ी और हलवा का समावेश है। इन व्यवस्थाओं की निगरानी में बोलबम समन्वय समिति और स्थानीय अधिकारी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारे लिए कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि है। सावन माह के इस पवित्र अवसर पर हमने सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए हैं, ताकि सभी भक्तजन बिना किसी कठिनाई के अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

मिनीमाता ने संपूर्ण समाज में कन्या शिक्षा की क्रांति लाईः रत्नावली कौशल

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। ममतामयी मिनीमाता जी ने समाज में नारी शिक्षा का अलख जगाया था। उनके प्रयासों के चलते ही छत्तीसगढ़ में कन्या शिक्षा को प्रोत्साहन मिला और आज बेटियां भी बेटों की तरह हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, समाज का मान बढ़ा रही हैं। अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाकर ही मिनीमाता को सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं।

उक्त उदगार भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छग शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने सतनामी समाज की आदर्श मिनीमाता की पुण्यतिथि पर मुंगेली जिले के ग्राम लीलवाकापा में मिनीमाता युवा समिति एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा आयोजित मिनीमाता पुण्यतिथि समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। समारोह स्थल पर पहुंचते ही रत्नावली कौशल ने सर्वप्रथम श्रद्धा और ममता की प्रतिमूर्ति मिनीमाता के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद

समाज की महिलाओं और अन्य लोगों ने मुख्य अतिथि रत्नावली कौशल व अन्य अतिथियों का स्वागत चंदन का टीका लगाकर किया। समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा नेत्री एवं समाज सेविका रत्नावली कौशल ने कहा कि हमारे समाज में गुरु घासीदास बाबा के बाद और भी अनेक संत महात्मा और दिव्य महान आत्माओं का अवतरण हुआ है। उन्हीं में से एक श्रद्धेया मिनीमाता भी हैं। एक सामान्य किसान परिवार में जन्मी मिनीमाता के साथ एक बड़ा गौरव यह भी जुड़ा हुआ है कि वे छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद निर्वाचित होकर संसद में पहुंची थीं। यह हमारे सतनामी समाज के लिए सचमुच बड़े ही गर्व की बात है।

रत्नावली कौशल ने कहा कि मिनीमाता जी संसद में सिंहनी की तरह दहाड़ती थीं। उन्होंने सदन में हमेशा छत्तीसगढ़ के उत्थान और नारी कल्याण के मुद्दे उठाने का काम किया। कन्या शिक्षा की वे प्रबल पक्षधर थीं। संसद में वे नारी शिक्षा को प्रोत्साहन देने की वकालत करती थीं। उनके प्रयासों का ही सुफल है कि आज हम बहन बेटियों को भी शिक्षा ग्रहण करने के लिए पुरुषों के बराबर अधिकार मिल पाया है। मिनीमाता जी के सदप्रयासों का ही प्रतिफल है कि आज हमारी बहन बेटियां, डॉक्टर, इंजीनियर, जज, वकील, वैज्ञानिक, आईएएस, आईपीएस आदि बनकर देश और समाज की सेवा कर रही हैं। उन्होंने समाज के लोगों से कहा कि अपने परिवार की बेटियों को ऊंची से ऊंची शिक्षा दिलाएं, उनकी परवरिश में कोई कमी न होने दें। बेटा बेटी में भेद कदापि न करें। यदि हम ऐसा करते हैं तो यह श्रद्धेया मिनीमाता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ऐसा करके ही हम मिनीमाता जी के सपनों को पूरा कर पाएंगे। रत्नावली कौशल ने कहा कि बेटियों को मिनीमाता की राह पर चलने की प्रेरणा दें, सामाजिक कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करें। इसी में समाज और परिवार की भलाई निहित है। कार्यक्रम के आयोजक एवं संचालक खुमान भास्कर ने ममतामयी मिनीमाता के कार्यों को रेखांकित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान समाज से किया।

उन्नत कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य कलेक्टर ने 145 कृषकों से की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा विकासखंड के कुआकोंडा में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने रेंगानार के 6 किसानों द्वारा एफआर कलस्टर में लगे नारियल, आम बगीचा का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कृषकों के बगीचा का सराहनीय करते हुए कहा कि वहां लगे खरपतवार को साफ-सफाई करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही उन्होंने पालनार में कृषक जोगी लखमा के बाड़ी का निरीक्षण कर वहां लगे आम के पौधा का नियमित रूप से देख रेख करने को कहा। इसके पश्चात कलेक्टर ने कृषक जागरूक सम्मेलन पहुंचकर 145 कृषकों से उन्नत कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य फलदार पौधे लगाने हेतु कृषकों को जागरूक किया गया और उन्नत फलदार पौधे के बारे विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए उनकी मांग और समस्याओं को सुना। इस दौरान कृषकों और कलेक्टर के मध्य कलेक्टर द्वारा रूचि अनुसार फलदार पौधे जैसे आम,नारियल,लीची जैसे अन्य पौधे लगाने को कहा जिससे उनकी आमदनी बढ़ सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्नतशील कृषकों के उद्यान के क्षेत्र में कृषकों के भ्रमण एवं स्थल निरीक्षण कर व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि वे नई कृषि विधियों से परिचित हो सके। साथ ही कलेक्टर के द्वारा कृषकों को पौधे का वितरण किया गया। इस मौके पर राजेंद्र ओयामी, कमल मंडावी, सुखका मंडावी, गणेश एवं अन्य कृषकागण ने उद्यान को बढ़ावा देने के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। मौके पर जिला पंचायत सदस्य मालती मुड़ामी, सुकालू मुड़ामी सहित उद्यान विभाग के सहायक संचालक डिकेलेश कुमार अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने हर घर तिरंगा अभियान की दिलायी शपथ

धमतरी। शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर नम्रता गांधी ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में उपस्थित अधिकारियों को हर घर तिरंगा अभियान के तहत शपथ दिलाई। शपथ में कहा गया कि मैं शपथ लेती हूं कि मैं तिरंगा फहराऊंगी। हमारे स्वतन्त्रता सेनानी और वीर सपूतों को आवाज का सम्मान करूंगी और भारत के विकास और प्रगति के प्रति स्वयं को समर्पित करूंगी। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश प्रेम की भावनाओं से जुड़ा है। यह गौरवान्वित करने वाला क्षण है। हम अपने तिरंगा का सम्मान करते हैं। यह हमारे देश की पहचान होने के साथ ही हम सभी भारतवासियों में देश प्रेम की भावना को विकसित करता है। हम सभी भारतीय हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ें और वीर सपूतों को सम्मान दें।

खास खबर

दुर्ग रेंज के 56 प्रधान आरक्षक बनेंगे एएसआई, आईजी गर्ग ने जारी की सूची

भिलाई। रेंज के तीन जिलों में पदस्थ 56 प्रधान आरक्षक अब एएसआई बनेंगे। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग ने स्वतंत्रता दिवस के पूर्व आज दिनांक को दुर्ग रेंज पुलिस के विभिन्न जिलों में पदस्थ प्रधान आरक्षकों की सहायक उप निरीक्षक पद पर पदोन्नति के लिए योग्यता सूची जारी की है। सूची में दुर्ग रेंज के दुर्ग, बालोद, बेमेतरा जिले से कुल 56 प्रधान आरक्षक के नाम शामिल है।

आईजी रामगोपाल गर्ग ने बताया कि परीक्षा में दुर्ग रेंज से कुल 166 प्रधान आरक्षक सम्मिलित हुए थे, जिसमे शारीरिक एवं लिखित परीक्षा के उपरांत दुर्ग जिले से 42, बालोद से 09 और बेमेतरा से 05 कुल 56 प्रधान आरक्षकों की योग्यता सूची जारी की गई हैं। इस सूची में दुर्ग रेंज के 56 प्रधान आरक्षकों को प्री प्रमोशन कोर्स उपरांत सहायक उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया जाएगा। इसके अलावा जल्द ही आरक्षक से प्रधान आरक्षक की सूची भी जारी की जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक गर्ग ने योग्यता सूची में आने वाले सभी प्रधान आरक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह पदोन्नति उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा के शीघ्र ही आरक्षक से प्रधान आरक्षक की योग्यता सूची भी जारी की जाएगी।

सुकमा में आईईडी ब्लास्ट : मवेशियों को चराने गई महिला की मौत टारगेट पर थे जवान

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार को आईईडी ब्लास्ट में ग्रामीण महिला की मौत हो गई। महिला अपने मवेशियों को चराने गई थी और इस दौरान आईईडी पर उसका पैर पड़ गया। धमाके में महिला गंभीर रूप से घायल हुई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मामला थाना किष्टाराम के अंतर्गत ग्राम डब्बामरका का है। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पहुंची आगे की कार्रवाई शुरू की।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक महिला की पहचान ग्राम डब्बामरका निवासी कवासी सुक्की (27) के रूप में हुई है। जवानों को टारगेट कर नक्सलियों ने आईईडी प्लांट किया था उसकी चपेट में कवासी सुक्की आ गई। महिला रोज की तरह अपने मवेशियों को चराने गांव से निकली थी। इस दौरान आईईडी पर पैर पड़ने से जोरदार धमाका हुआ और उसकी मौत हो गई।

सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने इस मामले पर कहा कि नक्सलियों द्वारा मनमाने तौर पर जगह-जगह लगाए गए आईईडी की चपेट में आकर निर्दोष ग्रामीणों की मौत के कई मामले लगातार सामने आ रहे हैं। मामले में नक्सलियों के खिलाफअपराध थाना किष्टाराम में पंजीबद्ध किया जा रहा है।

नशा मुक्ति को लेकर दुर्ग पुलिस का जागरुकता अभियान, लोगों से की नशे से दूर रहने की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर में बढ़ते नशाखोरी और अपराधों को लेकर दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को दुर्ग पुलिस द्वारा कल्याणी नशा मुक्ति केन्द्र के साथ मिलकर नशामुक्ति को लेकर जागरुक किया गया। इस दौरान सीएसपी चिराग जैन, निरीक्षक नवी मोनिका पाण्डेय, डीएसपी सतीश ठाकुर, डॉ. अजय गुप्ता, कल्याणी नशा मुक्ति केन्द्र से अजय कल्याणी, राजकुमार नारायणी पार्षद आदि उपस्थित रहे।

इस दौरान लोगों को नशा के कारण बढते अपराध एवं नशाखोरी से स्वास्थ्य मे पडने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी दी गई। सीएसपी चिराग जैन ने बताया कि नशा के कारण बडे बडे अपराध हो रहे हैं। इसे रोकने में पुलिस के साथ लोगों की विशेष भूमिका होती है। लोग अपने आसपास नशाखोरी को रोकेंगे तो अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है। नशाखोरी के खिलाफ दुर्ग पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है।

ट्रैफिक्र डीएसपी सतीश ठाकुर ने बताया कि नशा कर वाहन चलाने से अपने तथा अन्य लोगों का जीवन खतरे में पड़ जाता है। इसलिए नशा कर वाहन ने चलाने एवं नशा से दूर रहने की बात कही। थाना प्रभारी मोहन नगर नवी मोनिका पाण्डेय ने बताया कि महिलाएं परिवार की स्तम्भ होती है आप जागरूक होकर नशा करने वाले लोगों को समझाएं एवं पुलिस को सहयोग करते हुए नशा मुक्त समाज बनाने की अपील की। डॉ अजय गुप्ता द्वारा नशा से मानव जीवन मे होने वाली गंभीर बीमारियो के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि नशा करने से विभिन्न प्रकार की बीमारिया होती है जिससे नशा न करके बचा जा सकता है। पार्षद राजकुमार नारायणी ने लोगों से अपील किया कि नशा से दूर रह कर ही एक शांति पूर्ण माहौल की स्थापना की जा सकती है। उक्त कार्यक्रम में लगभग 100 लोगों को नशा से होने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी एवं नशा से दूर रहने की अपील किया जाकर नशा मुक्ति की शपथ दिलाया गया।

गो-तस्करी में प्रयुक्त 2 करोड़ के वाहन होंगे राजसात, जशपुर पुलिस ने जब्त किए 22 वाहन

जशपुर जिले में 36 प्रकरणों में 43 गो-तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में गो तस्करों को बड़ी चोट पहुंचाई जा रही है। यहां पुलिस ने गो तस्करों को गिरफ्तार करने के बाद इसमें इस्तेमाल वाहनों को जब्त किया गया है। अब ऐसे वाहनों को राजसात किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गो तस्करी में जब्त वाहनों की राजसात करने कलेक्टर को भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जनवरी 2024 से अब तक गौ तस्करों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर कुल 36 प्रकरणों में 43 आरोपियों को गिरफ्तार कर 431 गौवंश को तस्करी होने से बचाया गया है।

गो तस्करों द्वारा अधिकतर पिकअप वाहन एवं ट्रक का प्रयोग किया जाता है। इस दौरान पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही कर तस्करों से 18 पिकअप वाहन, 2 छोटा हाथी, 1 ट्रक एवं 1 अल्टो कार को जब्त किया गया गया। इसकी कुल कीमत लगभग 02 करोड़ रुपए है। गो तस्करी में प्रयुक्त अधिकतर वाहनों का रजिस्ट्रेशन झारखंड राज्य में हुआ है।

लोदाम थाना क्षेत्र में हुई है सर्वाधिक कार्रवाई

गो-तस्करी में सर्वाधिक वाहन थाना लोदाम द्वारा जब्त किए गए हैं। गौ तस्करी में सर्वाधिक थाना लोदाम द्वारा पिकअप वाहन-14, अल्टो कार 01, थाना कांसाबेल ट्रक-01, थाना कुनकुरी पिकअप वाहन-02, थाना नारायणपुर द्वारा पिकअप-01, थाना तुमला छोटा पिकअप वाहन-02, चौकी मनोरा पिकअप -01 जब्त किया गया, कलेक्टर जशपुर की ओर गौ तस्करी में जब्त वाहनों की राजसात करने की प्रक्रिया हेतु भेजा गया।

आरोपियों को हो रही भारी क्षति

पुलिस द्वारा गो तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को लगातार जब्त करने एवं आरोपियों को गिरफ्तार करने पर उन्हें निश्चित ही बड़ी आर्थिक क्षति हो रही है। अब तस्करों ने वाहनों में तस्करी करना कम किया है। जशपुर पुलिस द्वारा निरंतर इनके सप्लाई चेन को निरंतर ध्वस्त किया जा रहा है। गिरफ्तार गो तस्करों को तस्करी का धंधा छोड़ कर अन्य दूसरे व्यवसाय से जुड़ने कहा जा रहा है।

गो-तस्करों के विरूद्ध जारी है लगातार अभियान

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने कहा है कि जशपुर पुलिस की इस कार्रवाई से गौ तस्करों पर निश्चित रूप से बड़ी आर्थिक चोट पहुंची है। जशपुर पुलिस का गो-तस्करों के विरूद्ध लगातार अभियान जारी रहेगा। तस्करी को पूरी तरह समाप्त करना ही जशपुर पुलिस का उद्देश्य है। गिरफ्तार पशु तस्करों को तस्करी का धंधा छोड़ कर अन्य दूसरे व्यवसाय से जुड़कर अच्छा सामाजिक जीवन जीने प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बालोद में तीन शातिर ठग गिरफ्तार, एटीएम कार्ड बदलकर करते थे ठगी, मजबूरी का उठाते थे फायदा

बालोद। कोतवाली पुलिस ने एटीएम कार्ड को बदलकर लाखों की ठगी करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों के कब्जे से 142 नग एटीएम कार्ड, पांच मोबाइल, एक स्वाइप मशीन सहित 25 हजार रुपये नगदी रकम बरामद की है। तीनों आरोपी उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान के रहने वाले हैं। दरअसल, तीनों आरोपी लोगों की मदद करने के बहाने से एटीएम कार्ड को बदलकर अपने पास रख लेते थे और दूसरे एटीएम कार्ड को थमा देते थे। लोगों के एटीएम कार्ड को अपने पास रखकर उसमें से पैसे निकाल लेते थे। तीनों आरोपी बालोद सहित कवर्धा, सुकमा राजनांदगांव, सरगुजा, कोरबा, दुर्ग बेमेतरा सहित अन्य जिलों में भी इसी तरह से लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे।

पार्षद के घर में खेला जा रहा था जुआ, पुलिस ने छह जुआरियों को पकड़ा; 10 लाख से अधिक रुपये बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले के बसंतपुर थाना अंतर्गत कृषि उपज मंडी के पास पार्षद के घर पर जुआ खेला जा रहा था। पुलिस ने छापेमारी करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पार्षद राजेश उर्फ चम्पू गुप्ता और एक अन्य आरोपी फरार, जुआ के फड़ से 10 लाख 5 हजार 500 रुपए नगद सहित तास की पत्ती जब्त,बसंतपुर पुलिस ने घर में की छापामार कार्रवाई।

राजनांदगांव के बसंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पार्षद के घर में पुलिस ने छापेमारी कर जुआ खेल रहे थे जुआरियों को गिरफ्तार किया है। बसंतपुर थाना पुलिस ने कोतवाली थाना और साइबर सेल की संयुक्त टीम के साथ छापेमारी कार्रवाई की। वार्ड नंबर 41 के पार्षद राजेश गुप्ता के घर जुआ खेला जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर बसंतपुर पुलिस ने निर्दलीय पार्षद के घर दबिश दी। पुलिस ने 10 लाख 5 हजार 500 रुपये सहित तास की पत्ती की बरामद की है। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं पार्षद राजेश गुप्ता और एक अन्य आरोपी फरार है।

ट्रक में घुसी कार, एनटीपीसी कर्मचारी की पत्नी-बेटे संग मौत

- सीतापुर थाना क्षेत्र का मामला, कटर से काटकर निकाले गए शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में सोमवार को ट्रक की टक्कर से कार सवार एनटीपीसी के कर्मचारी, उनकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर ट्रक में जा घुसी। इसके बाद ट्रक करीब एक किमी तक कार को घसीटता हुआ ले गया। हादसे में हादसा सीतापुर थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, ओडिशा के सुंदरगढ़ निवासी हरिनारायण शर्मा (58) हझ्क्क्ष्ट सिंगरौली में कार्यरत थे। वे शाम करीब 5 बजे पत्नी चंदा शर्मा (58) और बेटे पियूष (32) के साथ कार में घर जा रहे थे। अभी वे हा॥-43 पर काराबेल के पास पहुंचे थे कि ट्रक से टक्कर हो गई।

गैस कटर से काटकर निकाले गए शव

बताया जा रहा है कि ट्रक रायगढ़ से अंबिकापुर की ओर आ रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और ट्रक में सामने से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखचे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गैस कटर से काटकर शवों को बाहर निकाला। प्रत्यदर्शियों ने बताया कि कार तेज रफ्तार में गलत दिशा में चली गई। इसके चलते हादसा हुआ। टक्कर के बाद कार में सामने के दोनों एयरबैग खुल गए थे, फिर भी किसी की जान नहीं बच सकी। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने ट्रक जब्त कर तीनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी में रखवा दिया है।

डबल मर्डर: सनकी बेटे ने मां और चचेरे भाई को उतारा मौत के घाट

- जगदलपुर के बोधघाट थाना क्षेत्र का मामला
- मानसिक बीमार है आरोपी, चंदघंटों में पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। शहर में डबल मर्डर का मामला सामने आया है। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र के अड़वाल का है। एक सनकी बेटे ने अपनी मां और चचेरे भाई की हत्या कर दी। सनकी ने लोहे के मोटे रॉड से दोनों पर हमला किया। चचेरे भाई की इस हमले में मौके पर ही मौत हो गई और उसकी मां ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना के बाद पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार नकटी सेमरा गांव में राइस मिल के पीछे में रिक्की दास पिता रतन दास (39) रहता है। वह कुछ काम नहीं करता और आर्थिक तंगी के कारण उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रहती। उसे उसकी पत्नी व बच्चों के साथ मां ने भी अलग कर दिया। हालांकि मां उसे हर माह राशन देने जाती थी। 12 अगस्त को भी उसकी मां चप्ला दास (60) निवासी हाटकचोरा अपने बहन के बेटे देवानंदा हीरा 30 वर्ष निवासी मलकानगिरी के साथ आरोपी को राशन देने के लिए गई थी।

करीब चार बजे रिक्की दास ने मां से पुरानी बातों पर खुन्नस निकालते हुए विवाद करने लगा। उसी दौरान साथ में खड़ा चचेरा भाई देवानंदा द्वारा लड़ाई झगड़ा नहीं करने की बात कहने पर आरोपी ने उसे लोहे के मोटे पाइप से देवानंदा को सिर पर वार कर हत्या कर दिया। अपनी मां को भी जान से मारने की नियत से उसके भी सिर पर वार किया। जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए धारा 103.1, 238 बीएनएस मामला दर्ज कर जांच में लिया गया।

पत्नी की गला रेतकर हत्या कर पति ने लगाई फांसी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार की सुबह पड़ोसियों ने शख्स को फांसी पर लटके देखा और उसकी पत्नी की लाश बिस्तर पर खून से लथपथ पड़ा हुआ था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार कुडुमकेला नवाडीह निवासी पंचनाम मांझी (40) अपनी पत्नी धरमकुमारी मांझी (34) और 12 व 5 साल के 2 बच्चों के साथ रहता था। उसकी मां पड़ोस में रहती थी। रविवार को उसके बच्चे दादी के पास सोने चले गए। इस दौरान पंचनाम व उसकी पत्नी घर पर थे। सुबह काफी देर तक पंचनाम ने दरवाजा नहीं खोला तो पड़ोसी सीड़ी लगाकर छत से देखे तो नजारा देख चौंक गए।

बिस्तर पर पंचनाम की पत्नी की खून से लथपथ लाश पड़ी थी और पास में पंचनाम का शव फंदे से लटक रहा था। घटना की तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पीएम के लिए भेजा। पास में खूस से सनी कुल्हाड़ी मिली। पुलिस को आशंका है कि पंचनाम ने पहले अपनी पत्नी की हत्या की और उसके बाद फांसी लगा ली। बताया जा रहा है कि पंचनाम की मानसिक स्थिति खराब रहती है। सोते समय उसने पत्नी पर वार किया और खुद सुसाइड कर लिया।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 05.08.2024

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
द्वितीय आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 20.08.2024 तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा आमंत्रण सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
106/दुर्ग (कवर्धा) /2024	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग बोड़ला के अंतर्गत 09 विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	99.95
107/दुर्ग (राज.) /2024	उपसंभाग अ. चौकी के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य	100.00
108/दुर्ग (बालोद) /2024	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत शासकीय शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुण्डरदेही के खेल मैदान का समतलीकरण का कार्य।	45.27

टीप
1. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष – 0788–2210876

जी-242501758/7

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने विश्व हाथी दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम का किया उद्घाटन

हाथी-मानव द्वंद्व रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता- साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ का हाथियों से बहुत पुराना नाता है। हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हाथी-मानव द्वंद को रोकना है। इसके लिए राज्य सरकार लगातार जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर रही है। अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। हाथियों के विचरण की जानकारी ग्रामीणों को देने के लिए सरगुजा से हमर हाथी हमर गोठ रेडियो कार्यक्रम का प्रसारण किया जाता है। ग्रामीणों को अपनी ओर हाथियों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए राज्य सरकार गज यात्रा अभियान चला रही है।

'गज संकेत एवं सजग' ऐप के माध्यम से हाथी के विचरण की जानकारी ग्रामीणों को मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाथी-मानव द्वंद को रोकने के लिए पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का प्रबंधन किया जा रहा है। हाथियों द्वारा फसल क्षति के लिए किसानों को दिए जा रहे मुआवजे की राशि कम है, इसे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। हाथी-मानव द्वंद को कम करने के लिए छत्तीसगढ़ को सफलता मिली है।

राजधानी रायपुर में विश्व हाथी दिवस पर स्थानीय होटल में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का विषय है कि विश्व हाथी दिवस-2024 के राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम छत्तीसगढ़ में हो रहा है। छत्तीसगढ़ की धरती जैव विविधता से समृद्ध है। जंगली भैंसे, पहाड़ी मैना तथा बाघ और हाथी जैसे वन्य जीव हमारे जंगलों की शान हैं। छत्तीसगढ़ के जंगल हमेशा से हाथियों के प्राकृतिक रहवास रहे हैं।

हमारे प्रदेश में हाथियों के ऐतिहासिक साक्ष्य भी मिलते हैं। भागवत पुराण के गजेन्द्र मोक्ष की कथा छत्तीसगढ़ की है। यह सुंदर कथा राजीव लोचन मंदिर में भी अंकित है। यहां पर भगवान राजीव लोचन को कमल का पुष्प चढ़ाते हाथी को अंकित किया गया है। जांजगीर के राजा जाज्वल्य देव ने गज शार्दुल की उपाधि धारण की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हाथियों की सुरक्षा को देखते हुए बादल खोल, तमोर पिंगला को एलीफेंट रिजर्व बनाया गया है। अभी हाल ही में हमारी सरकार ने गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पिंगला अभ्यारण्य के क्षेत्रों को मिलाकर टाइगर रिजर्व बनाने का बड़ा निर्णय लिया है। यह देश का तीसरा सबसे बड़ा तथा छत्तीसगढ़ का चौथा टाइगर रिजर्व होगा। इसके बनने से न केवल बाघों की संख्या बढ़ेगी, अपितु हाथियों को भी सुरक्षित रहवास मिलेगा, इसके बनने से हाथी-मनुष्य द्वंद भी घटेगा। इसके साथ ही लेमरू हाथी रिजर्व क्षेत्र के माध्यम से सरगुजा, कोरबा, रायगढ़ जिलों में हाथियों के संरक्षण पर काम हो रहा है। हमारी छत्तीसगढ़ की संस्कृति में जनजातीय समुदाय हाथियों को बहुत शुभ मानते हैं।

उन्होंने कहा कि 'विश्व हाथी दिवस' कार्यक्रम के माध्यम से वनवासियों, नीति निर्माताओं, नागरिक समाज और वन्यजीव विशेषज्ञों जैसे विविध हितधारकों को उनके विचारों को साझा करने के लिए एक साथ एक मंच पर लाया गया है, जिससे न केवल हाथियों के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि मानव-हाथी संघर्ष के ज्वलंत मुद्दे का भी समाधान होगा। इस दौरान देश भर में एक जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया, जिसमें लगभग 5 हजार स्कूलों के लगभग 10 लाख स्कूली बच्चों ने भाग लिया। भारत में हाथियों को राष्ट्रीय धरोहर पशु माना जाता है। हाथी हमारी संस्कृति में गहराई से रचे-बसे हैं। ताजी हवा, ऊर्जा बचाव, अच्छी जीवन शैली के लिए आवश्यक है, जो हमें पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन से मिल सकती है। सूनी धरती में हाथी से लेकर छोटे-छोटे जानवर तक विचरण करते रहते हैं, जो पर्यावरण के संरक्षण के लिए जरूरी है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए हाथियों के संरक्षण के लिए भारत की भागीदारी से किए गए प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हाथियों के संरक्षण में भारत की अग्रणी भूमिका रही है। केन्द्रीय मंत्री श्री यादव ने हाथियों के संरक्षण एवं मानव कल्याण सुनिश्चित करने के लिए अंतर-क्षेत्रीय जुड़ाव (क्रॉस सेक्टोरल एंगेजमेंट) की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यदि हम हाथियों को बचाएंगे तो वन भी समृद्ध होंगे, क्योंकि हाथियों को 'पारिस्थितिकी तंत्र के इंजीनियर' के रूप में जाना जाता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने देश में मानव-हाथी द्वंद को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इससे पहले नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रॉनिक ऑक्शन प्रणाली का, वन विभाग द्वारा दो करोड़ रूपए की लागत से निर्मित अत्याधुनिक ऑडिटोरियम 'दण्डकारण्य' का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप और सांसद बृजमोहन अग्रवाल, वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव जितेन्द्र कुमार विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, हाथी परियोजना के निदेशक रमेश पाण्डेय तथा छत्तीसगढ़ के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी सुधीर अग्रवाल, वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण, वन्यप्राणी विशेषज्ञ, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कृषि, विद्युत एवं रेल्वे विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

काष्ठ की नीलामी में आएगी पारदर्शिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और केन्द्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने यहां नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रॉनिक ऑक्शन प्रणाली का शुभारंभ किया। इस मौके पर वन विभाग द्वारा दो करोड़ रूपए की लागत से तैयार किए गए अत्याधुनिक ऑडिटोरियम 'दण्डकारण्य' का भी शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, विधायक गजेन्द्र यादव और केन्द्रीय वन महानिदेशक एवं भारत सरकार के विशेष सचिव जितेन्द्र कुमार भी शामिल हुए।

ई-ऑक्शन प्रणाली से वन विभाग के विभिन्न काष्ठागारों में काष्ठ के नीलामी में प्रतिस्पर्धा एवं पारदर्शिता आएगी। ई-ऑक्शन की प्रक्रिया में ईओआई के माध्यम से एमएसटीसी के द्वारा ई-ऑक्शन कार्य किया जा सकेगा। काष्ठागार की काष्ठ नीलामी ई-ऑक्शन के माध्यम से कराए जाने से शासन एवं बोलीदाता के लिए भुगतान की प्रक्रिया त्वरित एवं पारदर्शी हो जायेगी। इससे राज्य शासन के राजस्व की वृद्धि होगी।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य में वन विभाग के विभिन्न काष्ठागारों में ईमारती काष्ठ, बल्ली, व्यापारिक बांस, जलाऊ लकड़ी की नीलामी की जाती है। राज्य में 27 विक्रय डिपो संचालित किए जा रहे हैं। अभी अतिरिक्त भुगतान की प्रक्रिया में कागजी कार्यवाही तथा बहुत सारे रिकार्ड रखे जा रहे थे, अब ई-ऑक्शन प्रणाली के शुभारंभ हो जाने से कागजी कार्रवाई से निजात मिलेगी।

दो करोड़ में तैयार हुआ है ऑडिटोरियम: वन विभाग द्वारा करीब दो करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित इस अत्याधुनिक ऑडिटोरियम में आंतरिक साज-सज्जा, लाइट, साउंड सिस्टम, वातानुकूलित, स्टेज, एल.ई.डी स्क्रीन जैसी सुविधाओं के साथ 140 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। वन मुख्यालय में समय-समय पर होने वाले सेमिनार, वर्कशॉप, मैदानी अमले, संयुक्त वन प्रबंधन समिति सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए इसकी आवश्यकता थी। इसके शुभारंभ हो जाने से वन विभाग द्वारा अब मुख्यालय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम एक 'स्टेट ऑफआर्ट सभागार' में किए जा सकेंगे। कार्यक्रम में प्रधान वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, मुख्य वन संरक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल सहित वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नवा रायपुर में नवनिर्मित ऑडिटोरियम 'दण्डकारण्य' लोकार्पित

राजस्व मंत्री वर्मा ने किया 'दस्तक अभियान' मोबाइल एप शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी और विकास योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए बलौदाबाजार जिले में नवाचार के रूप में दस्तक अभियान शुरू किया गया है। जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारंभ राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बटन दबाकर किया।

अभियान के तहत प्रत्येक गांव के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो माह के प्रथम सप्ताह गांव का निरीक्षण एवं लोगों से चर्चा कर योजनाओं एवं समस्याओं की जानकारी लेंगे। निरीक्षण की जानकारी को दस्तक एप्प में अपलोड करना होगा। निरीक्षण प्रतिवेदन का समय-

सीमा में समीक्षा की जाएगी। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने दस्तक अभियान के लिए जिला प्रशासन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह जिला प्रशासन द्वारा नवाचारी अभियान करनी चाहिए जिससे जनता की वास्तविक समस्याओं के बारे में जानकारी मिल सके। इसके साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

कलेक्टर दीपक सोनी ने दस्तक अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि अभियान का उद्देश्य सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना तथा गांव के विकास कार्य को गति देना है। जिले के करीब 520 गांव के लिए एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होने कहा कि नोडल अधिकारी आवंटित गांव को गोद लिए हुए गांव की तरह उसके विकास के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि सभी गांव में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, बिजली, सडक, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास, आदिवासी विकास, खाद्य विभाग, कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग से सम्बंधित कार्यों एवं योजनाओं का प्राथमिकता से क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारी आवंटित गांव का औचक निरीक्षण करें और योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेकर सरपंच सचिव से ग्राम विकास या किसी प्रकार की समस्या हो तो उस पर चर्चा भी करेगें।

इस दौरान नगर पालिका परिषद् अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक जैन, पार्षद संकेत शुक्ला, अपर कलेक्टर दिप्ती गौते, एसडीएम अमित गुप्ता, जिला सूचना अधिकारी सत्यनारायण प्रधान, जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती सहित अन्य उपस्थित थे।

फूलों की खेती से दीदियों को होगी अतिरिक्त आमदनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। फूलों का उपयोग अपने घर, मंदिरों, शादी एवं सजावट सहित अन्य कार्यों के लिए किया जाता है। फूल श्रद्धा और भावना का प्रतीक है। अपने घरों के बगीचे, गार्डन, गमलों में भी अलग-अलग फूल लगाएं जाते हैं। सुबह-सुबह सुंदर और सुगंधित फूल देखकर मन आनंदित हो जाता है। दूरस्थ वनांचल क्षेत्र की महिलाओं को फूलों की खेती के प्रति प्रेरित करना और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए उद्यान विभाग द्वारा निःशुल्क पौधे भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले की स्व-सहायता समूह की 45 दीदियां मिलकर लगभग 4 एकड़ खेत में फूलों की खेती कर आगे बढ़ रही हैं।

जिला प्रशासन और बिहान योजना अंतर्गत जिले के महिला स्व सहायता समूह की दीदियों को फूलों की खेती करने के लिए उद्यान विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है। यह प्रशिक्षण जिला दंतेवाड़ा के गाँव तुड़पारास, भोगाम, भैरमबंद में दीदियों को दिया गया। फूल उत्पादन के पश्चात महिला समूहों द्वारा फूलों से माला एवं गुलदस्ते बना कर माँ दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा के प्रांगण में विक्रय किया जाएगा।

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर उद्योगमंत्री ने रोपा पौधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले के ग्राम भुलसीडीह में निर्माणाधीन शासकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में उद्योगमंत्री लखनलाल देवांगन ने ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत फलदार पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सभी नागरिक, ग्रामीण, पेड़ अवश्य लगाएं। पेड़ लगाने के साथ ही उसके पुष्पित व पल्लवित होने तक उसकी देखभाल एवं सिंचाई की व्यवस्था जरूर करें।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने फलदार पौधा लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान को सफल बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मां अपने बच्चों को हमेशा प्यार करती है और बच्चों को भी दुनिया में सबसे प्यारी मां ही लगती है। मां के नाम से हम पेड़ लगाएंगे तो स्वभाविक रूप से पेड़ के प्रति हमारा गहरा लगाव रहेगा और हम पेड़ के बढ़ने तक उसकी देखरेख करेंगे। प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय ने भी एक पेड़ मां के नाम लगाकर प्रदेश भर में पेड़ लगाकर अभियान को सफल बनाने का आव्हान किया है।

इससे पहले, उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने 325 करोड़ रूपए की लागत से निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज, कॉन्फ्रेंस हॉल, गर्ल्स हॉस्टल आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य करने के लिए कहा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज का निर्माण निश्चित समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाए। उद्योग मंत्री ने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि कोरबा जिले में केंद्र एवं राज्य शासन के सहयोग से मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज बन जाने पर जिले के एवं आसपास के क्षेत्रवासियों को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिसका लाभ आम जनता को मिलेगा।

पौष्टिक नाश्ता कार्यक्रम का किया शुभारंभ

वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री देवांगन ने शासकीय प्राथमिक व माध्यमिक शाला जमनीपाली में पोषण आहार नाश्ता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बच्चों को पौष्टिक नाश्ता वितरण कर अपनी शुभकामनाएं दी एवं जिला प्रशासन को इस सराहनीय पहल की सराहना की। श्री देवांगन ने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से डीएमएफ मद से कोरबा नगरीय क्षेत्र एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों को स्कूल प्रारंभ होने के पूर्व पौष्टिक नाश्ता प्रदान किया जाएगा। बच्चों को स्कूल में अच्छा पौष्टिक नाश्ता मिलने पर बच्चे मानसिक रूप से मजबूत बनेंगे एवं रुचि पूर्वक पढ़ाई करेंगे। इससे बच्चों के पोषण स्तर में सुधार होगा, साथ ही विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। बच्चों की प्रतिक्रिया के आधार पर ही योजना को आगे चलकर पूरे जिले में प्रारम्भ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री से पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सोमवार को यहाँ उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष आर. एस. विश्वकर्मा एवं सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सदस्यों को उनकी नवीन नियुक्ति के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर आयोग के सदस्य कृष्णाप्रसाद गुप्ता, यशवंत वर्मा, बलदाऊराम साहू, हरिशंकर यादव, नीलांबर नायक और श्रीमती शैलेन्द्री परगनिया भी उपस्थित थीं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950